हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 238, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 29 फरवरी, 2024 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

थाना, चौकी और सड़क पर जनता के साथ अच्छा व्यवहार करें : योगी

बोले- पिछली सरकारों ने जिले तो बना दिए लेकिन पुलिस लाइन नहीं बनाई

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पुलिस को थाना, चौकी और सड़क पर आमजन के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। लोकतंत्र में संवाद से बड़ी समस्या का भी समाधान हो जाता है। पुलिस वर्दी में प्यार से बात करेंगे तो लोग खुश होते हैं। गाली देने से गलत संदेश जाता है। यह नये भारत के नये यूपी की आधुनिक पुलिस है। यूपी के बदलाव में पुलिस की अहम भूमिका है। मुख्यमंत्री बुधवार को गृह विभाग की 2310 करोड़ रुपये की लागत वाली 144 आवासीय एवं अनावासीय योजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वाराणसी के प्रवासी भारतीय दिवस, प्रयागराज कुंभ, अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आए अतिथियों ने पुलिस के व्यवहार की खुले दिल से प्रशंसा की। एक प्रवासी ने मुझसे कहा कि पहले पुलिस का व्यवहार बहुत खराब रहता था। पुलिस अपराधियों, राष्ट्र विरोधी तत्वों के साथ कठोरतम व्यवहार करे लेकिन आमजन के साथ संवेदनशील रहे। राम मंदिर में आने वाले श्रद्धालु पुलिस की बदौलत सहूलियत के साथ दर्शन कर रहे हैं। आज हम यूपी पुलिस को देश और दुनिया भर में सबसे ज्यादा इंफ्रास्ट्रक्चर मुहैया करा रहे हैं। यह नई कार्य संस्कृति है। बी और सी ग्रेड के शहरों में अत्याधुनिक सुविधाओं वाली सबसे ऊंची इमारत पुलिस लाइंस के हॉस्टल और बैरक की है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने जिले तो बना दिए लेकिन पुलिस लाइन नहीं बनाई। शरीर से आत्मा को निकाल दिया जाए, पुलिस को ऐसा बना दिया गया था। मैंने लखनऊ की पुलिस लाइन में बैरकों की दुर्दशा को देखने के बाद बेहतर सुविधाएं देने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार इसके लिए करीब 20 हजार करोड़ रुपये दे चुकी है। हमने पारदर्शी तरीके से पुलिस में 1.60 लाख भर्तियां की। इतनी भर्ती करने वाला यूपी देश का पहला राज्य है। वहीं 1.50 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों को प्रोन्नति दी। पहले प्रोन्नति देने में भी भेदभाव होता था। हम ट्रेनिंग की क्षमता को तीन गुना बढ़ा चुके हैं। हर पीएसी वाहिनी में भी इसका विस्तार कर रहे हैं, ताकि अन्य प्रदेशों के पुलिस बल भी यहां ट्रेनिंग ले सकें। सभी जिलों में साइबर क्राइम थानों वाला यूपी पहला राज्य बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सात साल पहले कोई यूपी नहीं आना चाहता था। बीते वर्ष 35 करोड़ पर्यटक यूपी आए थे। अयोध्या में एक माह के भीतर 65 लाख श्रद्धालु आए हैं। वहां रोजगार और व्यापार कई गुना बढ़ा है। पहले अयोध्या में लोग जमीन अधिग्रहित करने का विरोध कर रहे थे। अब खुद अपनी जमीन देने को लालायित हैं। पहले यूपी की पहचान माफिया और दंगा थी। महीनों तक कर्फ्यू लगा रहता था। व्यापारी और बेटियां असुरक्षित थे। पूर्व की सरकार दंगाईयों को गले का हार बनाती थी। दंगाईयों की काल यूपी पुलिस की पीएसी वाहिनियों को समाप्त किया जा रहा था। आज यूपी सबसे तेज गति से आर्थिक प्रगति करने, निवेश और पर्यटकों को आकर्षित करने वाला राज्य है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि विपक्ष में रहने के दौरान मैंने देखा कि थानेदार इलाके के बाहुबली से दोस्ती कर लेता था। सीओ की बाहुबली से बात करने की हिम्मत नहीं होती थी। विपक्ष की राजनीति करना अपराध हो गया था। खुद को बचाने के लिए हमें बड़े अफसरों को फोन करना पड़ता था। हमारे कार्यकताओं को पुलिस चुनाव में जबरन बैठा लेती थी।

इसरो के नए प्रक्षेपण परिसर का पीएम मोदी ने किया शिलान्यास, सोमनाथ बोले- दो साल में हो जाएगा तैयार

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को थूथुकुडी में 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक की नई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कुलसेकरापट्टिनम में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नए प्रक्षेपण परिसर का शिलान्यास भी किया। जानकारी के अनुसार, इसरो के नए प्रक्षेपण परिसर की लागत लगभग 986 करोड़ रुपये है। इसके बनकर तैयार होने पर यहां से हर साल 24 प्रक्षेपण किए जा सकेंगे। इसरो के इस नए परिसर में मोबाइल लॉन्च स्ट्रक्चर (एमएलएस) तथा 35 केंद्र भी शामिल हैं। इससे अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं को बढ़ाने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी द्वारा दूसरे स्पेसपोर्ट लॉन्च कॉम्प्लेक्स की आधारशिला रखे जाने पर इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा, 'भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है। तमिलनाडु सरकार ने हमें जमीन हस्तांतरित कर दी है। निर्माण शुरू होने वाला है। निर्माण पूरा होने में लगभग दो साल लगेंगे। हमारी दो साल बाद एसएसएलवी लॉन्च करने की योजना है। हमारी योजना होगी की हर साल 20 से 30 लॉन्च किए जाएं।'

अखिलेश यादव को सीबीआई का नोटिस खनन मामले में गवाह के तौर पर किया गया तलब

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को अवैध खनन मामले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (सीबीआई) ने गवाह के तौर पर तलब किया है। उन्हें कल (29 फरवरी) को दिल्ली में सीबीआई के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया है। अखिलेश यादव को बतौर गवाह पेश होने के लिए कहा गया है। इसका खुलासा उन्होंने खुद ही राजधानी में एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में किया। अखिलेश यादव ने कहा कि पिछले चुनाव से पहले भी एक नोटिस आया था और इस चुनाव में भी एक नोटिस आया है। सीबीआई की इस नोटिस को लोकसभा चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। अखिलेश यादव अक्सर कहते रहे हैं कि उन्हें कांग्रेस की सरकार ने पहले ही सीबीआई क्लब में डाल दिया है और अब भाजपा भी वही काम कर रही है। लोकसभा चुनाव के लिए यूपी में सपा-कांग्रेस के बीच समझौता हुआ है। दोनों दल प्रदेश में गठबंधन में लड़ रहे हैं। सपा ने कांग्रेस को गठबंधन के तहत 17 सीटें दी हैं। वहीं, भाजपा का दावा है कि लोकसभा चुनाव 2024 में पार्टी प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रहेगी।

बांदा में दर्दनाक सड़क हादसा, तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकराई, मासूम समेत चार की मौत

बांदा। बांदा जिले में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में मासूम समेत तीन की मौत हो गई, जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसने भी दम तोड़ दिया। चारों बाइक सवार एक ही परिवार से हैं। बिसंडा थाना क्षेत्र के ओरन गांव निवासी थे। जनपद के देहात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले रिश्तेदार के घर से लौट रहे थे, तभी हादसा हो गया। पुलिस ने शवों का अस्पताल पहुंचाया है और परिजनों का इंतजार कर रही है। इसके बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

समुद्री सीमा से ड्रग्स की अब तक की सबसे बड़ी जब्ती, संदिग्ध पाकिस्तानी-ईरानी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली। गुजरात के आतंकवादी रोधी दस्ते ने भारतीय नौसेना और स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के साथ मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के साथ अरब सागर में एक संयुक्त अभियान में चलाया। इस दौरान एक ईरानी नौका को रोककर उसके चालक दल के पांच सदस्यों को हिरासत में लिया। अधिकारियों को संदेह है कि यह लोग ईरान और पाकिस्तान से हो सकते हैं। इनके पास से हजारों करोड़ रुपये की कीमत का 3300 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ बरामद किया। संघीय मादक पदार्थ रोधी एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एनसीबी और अन्य एजेंसियों ने मादक पदार्थों की तस्करी के एक और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। देश में अब तक की सबसे अधिक अपतटीय जब्ती (मात्रा के आधार पर) की है। नौका से गिरफ्तार किए गए पांच लोगों के ईरानी या पाकिस्तानी नागरिक होने का संदेह है। एनसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनके पास से राष्ट्रीयता का कोई दस्तावेज बरामद नहीं हुआ है। भारतीय नौसेना ने बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ भारतीय नौसेना ने लगभग 3300 किलोग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ (3089 किलोग्राम चरस, 158 किलोग्राम मेथामफेटामाइन 25 किलोग्राम मॉर्फिन) ले जा रहे एक संदिग्ध नौका को पकड़ा। अबतक सबसे अधिक जब्त किया मादक पदार्थ है। पकड़ी गई नौका और चालक दल के सदस्यों के साथ-साथ प्रतिबंधित पदार्थों को भी भारतीय बंदरगाह पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सौंप दिया गया है।' एनसीबी के उप महानिदेशक ज्ञानेश्वर सिंह ने कहा कि एनसीबी, नौसेना और एटीएस गुजरात पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाया। इससे करीब 3,300 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किए गए। यह भारत में ड्रग्स की सबसे बड़ी अपतटीय जब्ती है। इस सिलसिले में पांच संदिग्ध विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया और संदेह है कि इनका संबंध पाकिस्तान से है।

विधानसभा में आतिशी ने उपराज्यपाल को सोलर पॉलिसी पर घेरा, बोलीं- भाजपा नेता की तरह कर रहे काम

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में मंत्री आतिशी ने सोलर पॉलिसी रोकने का खुलासा करते हुए राज्यपाल पर भाजपा नेता की तरह कार्य करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जो कार्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष को करना चाहिए वह कार्य उपराज्यपाल भाजपा के लिए कर रहे हैं। पॉलिसी रोकने के विरोध में सदन में निंदा प्रस्ताव पास किया। वहीं, दिल्ली विधानसभा में सिविल डिफेंस के मार्शल को नौकरी से निकालने के संबंध में चर्चा आरंभ हुई। इस दौरान आप विधायक मदनलाल ने कहा कि मार्शल बसों में सुरक्षा प्रदान करने में अहम भूमिका निभा रहे थे। मगर केंद्र सरकार के इशारे पर इनको नौकरी से निकाल दिया गया। उन्होंने मार्शल को दोबारा नौकरी पर रखने की मांग की। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष रामवीर बिधूड़ी में मार्शल के साथ अन्य अनियमित कर्मचारियों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारियों को नियमित किया जाए। सरकार ने उनको नियमित करने का वादा किया था। मगर अभी तक इस दिशा में कार्रवाई नहीं हुई है। इसके

अलावा उन्होंने आशा वर्कर को कम वेतन मिलने का भी मुद्दा उठाया। मगर विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका निभा रहीं उपाध्यक्ष राखी बिड़ला ने उन्हें यह मुद्दा उठाने से रोक दिया और उनकी बात सदन की कार्यवाही से निकाल दिया। इसके विरोध में विधूड़ी में सदन का बहिष्कार किया।

टीएमसी नेता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने पहुंचीं संदेशखाली की महिलाएं, किरन रिजिजू ने राज्य सरकार को घेरा

कोलकाता। संदेशखाली हिंसा को लेकर तृणमूल कांग्रेस की सरकार की परेशानी बढ़ती जा रही है। अब हिंसाग्रस्त इलाके की स्थानीय महिलाएं अपने घरों से निकलकर टीएमसी नेता शाहजहां शेख के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने जा रही हैं। मीडिया से बात करते हुए एक महिला ने कहा, "हम पुलिस में शिकायत दर्ज कराने जा रहे हैं। यहां की सड़के बिलकुल सही नहीं है। यहां नलों में पानी नहीं आता है। इलेक्ट्रिक पोल भी किसी काम के नहीं हैं। हम डर में जी रहे हैं। हम शाहजहां शेख और उसके गुंडों से डरते हैं। क्या एक व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है? अब कई दिन हो गए हैं। हम चाहते हैं कि उसे सजा मिले, उसे फांसी दी जाए।" केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने संदेशखाली हिंसा को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इस मामले को शर्मनाक बताया है। उन्होंने टीएमसी सरकार पर मामले को छिपाने का आरोप भी लगाया है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, यह केवल बंगाल के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए शर्मनाक है। टीएमसी और ममता बनर्जी दोनों ही इस मामले को छिपाने की कोशिश कर रही है और अपराधियों को बचा रही है। अब अदालत से आदेश मिल चुका है। सभी मुख्य आयोगों ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। यहां की जनता टीएमसी से दुखी है और वे आगामी चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन कर रहे हैं। भाजपा के सभी उम्मीदवार जीतेंगे। किरन रिजिजू ने आगे कहा, गंगासागर मथुरापुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। सरकार की योजनाओं को यहां ठीक तरह से लागू नहीं किया गया है। पीएम मोदी की योजनाओं का बंगाल में दुरुपयोग किया गया है। लेकिन कई लोग अब यहां भाजपा का समर्थन कर रहे हैं। हमारे कार्यकर्ता सक्रिय हैं। रिजिजू ने बताया कि लोकसभा की तीन सीटें मथुरापुर, जयनगर और डायमंड हार्बर फिलहाल टीएमसी के पास है, लेकिन अप्रैल-मई में भाजपा इन सीटों पर जीत हासिल करेगी। इसके बाद केंद्र सरकार की सभी योजनाओं को यहां लागू किया जाएगा।

सुक्खू सरकार के मंत्री विक्रमादित्य ने इस्तीफे के बाद गिनाई वजह, बोले- भावनात्मक रूप से आहत हूं

शिमला। हिमाचल प्रदेश में सुक्खू सरकार के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बुधवार को मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। बुधवार को राज्य विधानसभा परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने इसका एलान किया। उन्होंने कहा कि जनता के प्रति मेरी जावाबदेही है। कहा कि एक साल के घटनाक्रम में विधायकों की अनदेखी हुई। आवाज दबाई गई। शिलान्यास मामले में मेरे विभाग के अफसरों को नोटिस दिए गए। वह वीरभद्र सिंह के कदमों पर चल रहे हैं। प्रियंका गांधी, खरगे को दो दिन के घटनाक्रम की जानकारी दे दी है और अब हाईकमान को फैसला लेना है। मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा, 'हमने पार्टी का हमेशा साथ दिया है... मैं आज सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि वर्तमान समय में मेरा इस सरकार में बने रहना ठीक नहीं है। मैंने यह निर्णय लिया है कि मैं मंत्रीमंडल से इस्तीफा दे रहा हूं।' साथ ही कहा है कि मुझे दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि मुझे एक मंत्री के तौर पर अपमानित करने का काम किया गया है, जिस तरह के संदेश विभाग में भेजे जाते हैं, हमें कमजोर करने की कोशिश की गई। सरकार सभी के सामूहिक प्रयास से बनी थी...मैं किसी भी दबाव में नहीं आने वाला नहीं। विक्रमादित्य सिंह भावुक होकर

रोने लगे। कहा कि वीरभद्र छह बार सीएम रहे, लेकिन रिज पर उनकी प्रतिमा के लिए जगह नहीं मिली। इससे आहत हूं। जनता से चर्चा के बाद आगामी फैसला लूंगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार में मंत्री रहते हुए भी उन्हें कई बार नीचा दिखाने की कोशिश की गई।

एक अप्रैल से बदलेगा नेशनल पेंशन सिस्टम, एनपीएस खाते का आधार वेरिफिकेशन कराना होगा अनिवार्य

नई दिल्ली। 'नेशनल पेंशन सिस्टम' यानी एनपीएस के खाताधारकों के लिए जरूरी खबर है। एनपीएस लेनदेन के दौरान फुलप्रूफ सुरक्षा रहे, इसके लिए कई तरह के बदलाव किए जा रहे हैं। पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के मुताबिक, पहली अप्रैल से एनपीएस अकाउंट के लिए आधार वेरीफिकेशन कराना अनिवार्य होगा। पीएफआरडीए ने यह निर्णय, अभिदाताओं और हितधारकों की सुरक्षा के मद्देनजर लिया है। पीएफआरडीए के मुताबिक, केंद्र और राज्य सरकारों एवं उनके सहयुक्त निकायों के अंतर्गत नोडल कार्यालय, वर्तमान में एनपीएस लेनदेन के लिए केंद्रीय अभिलेखापाल अभिकरण 'सीआरए' की वेबसाइट का उपयोग करने के लिए पासवर्ड लॉग-इन का उपयोग करते हैं। सीआरए प्रणाली का उपयोग करने में सुरक्षा उपायों को उन्नत करने और अभिदाताओं व हितधारकों के हितों का संरक्षण करने के मकसद से, सीआरए प्रणाली में लॉगिन के लिए आधार आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से एक अतिरिक्त सुरक्षा सुविधा प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। आधार आधारित लॉगिन प्रमाणीकरण को विद्यमान उपयोगकर्ता

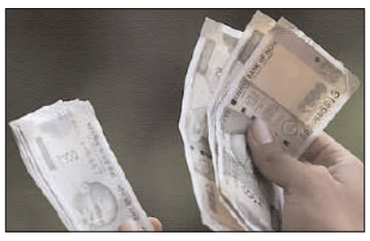

आईडी और पासवर्ड आधारित प्रक्रिया के साथ एकीकृत किया जाएगा, ताकि सीआरए प्रणाली को टू-फैक्टर प्रमाणीकरण के माध्यम से सुलभ बनाया जा सके। सीआरए सिस्टम में अब टू-फैक्टर ऑथेंटिफिकेशन के बाद ही लॉग-इन होगा। पीएफआरडीए द्वारा जारी सर्कुलर में कहा गया है कि आधार आधारित लॉग-इन प्रमाणीकरण के एकीकरण की प्रक्रिया समग्र प्रमाणीकरण और लॉग-इन संरचना को सशक्त करने के लिए एक सक्रिय कदम है। यह पहल सरकारी कार्यालयों और स्वायत्त निकायों द्वारा की जाने वाली सभी एनपीएस गतिविधियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण निर्मित करने के मकसद से डिजाइन की गई है। इन उन्नत सुविधाओं के साथ लॉग-इन संरचना की नई प्रणाली का विकास वर्तमान में सीआरए द्वारा जारी है। नई लॉग-इन प्रक्रिया, एक अप्रैल 2024 से लागू होगी। सभी सीआरए द्वारा सरकारी नोडल कार्यालयों को प्रक्रिया प्रवाह 'प्रोसेस फ्लो' के साथ साथ एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया 'एसओपी' प्रदान की जाएगी। इस प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर नोडल अधिकारियों को भी शामिल किया जाएगा, ताकि उन्हें इन बदलावों के बारे में जागरूक किया जा सके। इसके माध्यम से बदलाव की यह प्रक्रिया निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जा सके। सरकारी क्षेत्र के अंतर्गत सभी कार्यालयों और स्वायत्त निकायों को सलाह दी जाती है कि वे इस पर ध्यान दें। पीएफआरडीए द्वारा अपने सर्कुलर में कहा गया है कि एनपीएस से संबंधित सभी गतिविधियों के निष्पादन के लिए सीआरए प्रणाली में आधार आधारित लॉग-इन और प्रमाणीकरण की अतिरिक्त सुविधा को कार्यान्वित करने के लिए आवश्यक ढांचा स्थापित करें। आधार बेस्ड लॉग-इन वैरिफिकेशन को एनपीएस अभिदाता, अपने यूजर आईडी से जोड़ेंगे। इसके बाद आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। इसे दर्ज करने के बाद ही एनपीएस खाते को लॉगिन किया जा सकेगा।

राजीव गांधी हत्या मामले में दोषी संथान का निधन, पूर्व पीएम के नाम वाले अस्पताल में तोड़ा दम

चेन्नई। राजीव गांधी के हत्या के मामले में दोषी पाए गए टी सुथेंद्रराजा उर्फ संथान की बुधवार को तमिलनाडु के एक सरकारी अस्पताल में मौत हो गई। बताया गया है कि उसे चेन्नई स्थित राजीव गांधी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के डीन ई. थेरानीराजन ने बताया कि संथान का यहां लिवर फेल होने का इलाज जारी था। उसका सुबह 7.50 बजे निधन हो गया। उसे सुबह करीब 4 बजे कार्डिएक अरेस्ट हुआ। हालांकि, सीपीआर के जरिए उसे बचा लिया गया। उसे वेंटिलेटर पर ऑक्सीजन सप्लाई में रखा गया था। हालांकि, उसका शरीर इलाज पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा था। अधिकारियों के मुताबिक, संथान का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इसके बाद उसके शव को श्रीलंका भेजा जाएगा। गौरतलब है कि सजा काटने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने संथान की रिहाई के आदेश दिए थे। हालांकि, श्रीलंका निर्वासित करने के लिए उसे अन्य रिहा दोषियों के साथ त्रिची स्पेशल कैंप में रखा गया था। बीते हफ्ते ही विदेश मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर ने 56 वर्षीय संथान के श्रीलंका निर्वासन के लिए आपात यात्रा दस्तावेजों को मंजूरी दी थी। इससे पहले नवंबर में एमटी संथान ने भी त्रिची स्पेशल कैंप से रिहा करने की मांग की थी। संथान

का आरोप था कि स्पेशल कैंप के कमरे में खिड़की भी बंद है और उन्हें अन्य लोगों से मिलने की भी आजादी नहीं है। संथान ने कहा था कि इस स्पेशल कैंप के मुकाबले उनके लिए जेल ज्यादा ठीक थी। राजीव गांधी की साल 1991 में लिट्टे के आत्मघाती दस्ते द्वारा हत्या कर दी गई थी। पूर्व पीएम की हत्या में सात लोग जिनमें मुरुगन, नलिनी, एजी पेरारिवालन, संथान, जयकुमार, रॉबर्ट पायस और पी रविचंद्रन को दोषी ठहराया गया था।

संपादकीय

सुरक्षा हो प्राथमिकता

देश का राजनीतिक परिदृश्य आम चुनाव के रंग में रंगता नजर आ रहा है। लगातार नई योजनाओं के शिलान्यास, घोषणाएं और उद्घाटन उसकी बानगी है। निस्संदेह, विकास में तेजी देश की जरूरतों और रोजगार के लिये अपरिहार्य है। सोमवार को प्रधानमंत्री द्वारा दो हजार रेलवे ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास सुखद ही कहा जाना चाहिए। उन्होंने देश में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये इकतालीस हजार करोड़ रुपये से अधिक की करीब दो हजार परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें ह्यप्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजनाह्ल के अंतर्गत 553 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास भी शामिल था। देश के 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के इन स्टेशनों पर करीब उन्नीस हजार करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जाना है। निस्संदेह, देश की बढ़ती आबादी की जरूरतों तथा स्टेशनों के आधुनिकीकरण की आवश्यकता के चलते यह आवश्यक हो गया है कि रेलवे स्टेशनों को सुविधाजनक बनाया जाए। इसमे दो राय नहीं कि रेल विभाग की खस्ता हालत के लिये सस्ती राजनीति भी जिम्मेदार रही है,जिसकी तरफ प्रधानमंत्री ने इशारा भी किया है। विगत में देखा गया कि गठबंधन सरकारों के दौर में रेल मंत्री का पद हासिल करने के लिए दबाव की राजनीति की जाती थी। जिसका मकसद नेताओं का अपने संसदीय क्षेत्र की जनता के लिए विशेष ट्रेन चलाना और अपने इलाके के अपने समर्थक बेरोजगारों को नियम-कानून ताक पर रखकर रेलवे में भर्ती करना होता था। यह एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क्स में शुमार होने के बावजूद न तो रेल सेवा की गुणवत्ता बन पायी और न ही आर्थिक रूप से रेलवे मजबूत बन पाया। निस्संदेह, आम लोगों की सुविधा के मद्देनजर रेल के किराये काफी कम हैं। जब भी गुणवत्ता को बनाये रखने के मकसद से रेल के किराये में वृद्धि का प्रस्ताव आता था तो राजनेताओं द्वारा उसे चुनावी मुद्दा बना लिया जाता था। निस्संदेह, गुणवत्ता की रेल सेवा बनाने के लिये यात्रियों के योगदान की भी जरूरत है। बहरहाल, इसके बावजूद आज देश में सामान्य रेल यात्रा को पूरी तरह सुविधाजनक व सुरक्षित नहीं कहा जा सकता है। आये दिन रेल दुर्घटनाएं और मानवीय चूक की खबरें सामने आती रहती हैं। हाल ही में खबर आई थी कि गत पच्चीस फरवरी को जम्मू के कठुआ रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी बिना ड्राइवर के चल पड़ी थी। यह ट्रेन बिना ड्राइवर व गार्ड के साठ किलोमीटर की रफ्तार से चल पड़ी थी। इसे तब रोका जा सका जब यह करीब डेढ़ घंटे का सफर तय करके एक छोटे स्टेशन पर पहुंच चुकी थी। गनीमत यह रही कि इसके रास्ते में कोई दूसरी ट्रेन नहीं आई और एक बड़ा हादसा टल गया। बताते हैं कि कठुआ स्टेशन पर ड्राइवर व गार्ड को बदला जाना था, लेकिन ड्यूटी खत्म कर रहा ड्राइवर मालगाड़ी में हैंड ब्रेक लगाना भूल गया। यद्यपि इस आपराधिक लापरवाही के चलते स्टेशन मास्टर समेत छह अधिकारियों व कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि भविष्य में ऐसी कोताही न बरती जाए। निस्संदेह, यह घटना बताती है कि रेलवे की कार्यशैली में बदलाव की आवश्यकता है वहीं चालक और स्टाफ को अधिक सतर्क व जवाबदेह बनाने की जरूरत है। निस्संदेह, रेलवे के ढांचे का विस्तार व आधुनिकीकरण समय की मांग है, लेकिन पहले पुराने रेलवे के ढांचे को सुरक्षित व फुलप्रूफ बनाने की जरूरत है। वहीं रेलवे की पटरियों के रखरखाव के साथ ही रेलवे स्टाफ को इसके परिचालन में अतिरिक्त सावधानी की दरकार है। निस्संदेह, रेल परिचालन में एक छोटी चूक सैकड़ों लोगों के जीवन पर संकट उत्पन्न कर सकती है। इसके साथ ही आवश्यक है कि सर्दी के मौसम में कोहरे की वजह से बाधित होने वाले रेलवे यातायात को सुचारु रूप से चलाने के लिये आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाए। तब सर्दी के मौसम की चरम अवस्था में रेल सेवाओं में विलंब और ट्रेन कैंसिल होने की स्थिति को टाला जा सकेगा। देश की दीर्घकालीन जरूरतों और बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं के अनुरूप रेलवे के ढांचे में व्यापक परिवर्तनों की जरूरत है।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन छेड़ने वाले अरविंद केजरीवाल आखिरकार क्यों ईडी के समन की कर रहे हैं अनदेखी

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने शराब घोटाला मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आठवीं बार समन भेजा है, मगर अब तक वे कोई न कोई वजह बता कर उसके सामने पेश होने से बचते रहे हैं। अब उनका कहना है कि अगर अदालत इस संबंध में आदेश देगी तभी वे प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश होंगे। हालांकि यह समझना मुश्किल है कि किसी सरकारी एजंसी की ओर से इस तरह बार-बार समन भेजे जाने की अनदेखी करने की वजह क्या सिर्फ खुद को निर्दोष मानना है या फिर आंख-मिचौली जैसा कोई खेल है, जिसमें आखिरकार उनसे पूछताछ होनी ही है। अगर उन्हें लगता है कि ईडी बिना किसी ठोस आधार के उन्हें बुला रही है, तो समूचे मामले को पारदर्शी तरीके से उसके सामने रख देने में उन्हें क्यों हिचक हो रही है! फिर अगर आने वाले दिनों में अदालत ने उन्हें ईडी के सामने पेश होने का आदेश दे दिया, तब उनके मौजूदा रुख को किस तरह देखा जाएगा? गौरतलब है कि दिल्ली सरकार ने सन 2021-22 के लिए आबकारी नीति के तहत जिन शराब व्यापारियों को लाइसेंस जारी किए थे, उन पर इसके लिए रिश्वत देने का आरोप है। मनपसंद कारोबारियों को लाइसेंस जारी किए गए। हालांकि आम आदमी पार्टी ने इन आरोपों को गलत बताया है, लेकिन अगर उसके वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ऐसे ही आरोपों के तहत हुई पूछताछ के बाद जेल में हैं और मुकदमे का सामना कर रहे हैं तो उसका कोई न कोई ठोस आधार होगा! शायद यही वजह है कि अब ईडी सरकार में सबसे अहम पद पर होने की वजह से अरविंद केजरीवाल को पेश होने के लिए कह रही है। अगर केजरीवाल को लगता है कि इस मामले में वे पूरी तरह पाक-साफ हैं तो पूछताछ से बचने के बजाय वे सारी तस्वीर सामने रख दे सकते हैं। यह याद किया जा सकता है कि उनके मौजूदा राजनीतिक सफर में भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन छेड़ने, आरोपों पर जवाब देने और उसमें पारदर्शिता बरतने की मांग की एक बड़ी भूमिका रही है। इसलिए अब अगर भ्रष्टाचार के आरोपों के संदर्भ में उनसे पूरी तरह स्पष्टता और पारदर्शिता की उम्मीद की जा रही है, तो यह स्वाभाविक ही है।

शीर्ष अदालत के फैसले से रोशन लोकतंत्र

अशोक लवासा

अदालतें न्याय देने के लिए बनी हैं। कई मर्तबा, वे इस ढंग से न्याय करती हैं कि आमतौर पर उनके साथ लगाया जाने वाला माननीय शब्द सार्थक हो उठता है। इस बात पर लगभग सभी सहमत हैं कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव मामले में आए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से लोगों का विश्वास फिर से लौटा है। जिस ढंग से न्यायाधीशों ने इस प्रसंग में पड़ताल की और आदेश सुनाया, वह असाधारण और चौंकाने वाला था। चुनाव अधिकारी अनिल मसीह का अनुचित आचरण भी कम नाटकीय और वाहियात न था, और दुर्भाग्यवश खतरा यह है कि कहीं यह चलन आम न हो जाए। जैसा कि ज्ञात है, यह प्रसंग मतपत्रों से छेड़छाड़ कर निरस्त करने का है। हालांकि, इस मामले के केंद्रबिंदु में कुछ लोगों के लिए यह नमोशी का बायस है तो बहुतों के लिए व्यवस्था पर से भरोसा उठना। अदालत ने एक ही झटके में लोगों का यकीन दुबारा कायम कर तो दिया है, लेकिन केवल न्यायपालिका पर। न्यायालय ने उनको भी आईना दिखाया है जो व्यवस्था में मनमर्जी चाहते हैं लेकिन अवश्य ही उनको नहीं, जो पर्दे के पीछे रहकर अपना चेहरा बचाने की फिराक में थे। इस बार मुख बेशक मसीह का है किंतु कभी यह हर्षद मेहता का तो कभी अब्दुल करीम तेलगी का रहा, जो कि दुनिया को दिखाता है कि हमारी व्यवस्था में सड़न कितनी गहरी है, और इसके लिए हमें उसका (मसीह का) धन्यवाद करना होगा। हालांकि, एक मसीह के बरअक्स बहुतों पर ध्यान नहीं गया, भले ही उन्होंने व्यवस्था को इतना नुकसान पहुंचाया जिसकी भरपाई संभव नहीं।

कुछ लोगों ने इस प्रसंग को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन बनाम मतपत्र में कौन बेहतर का पुट देने की कोशिश की है, यह कहते हुए कि ईवीएम होती तो मतपत्र की तरह गड़बड़ संभव न थी। लेकिन मतपत्र के मामले में, गड़बड़ी को पकड़ा तो जा सकता है जबकि जिन्हें ईवीएम पर शक है, उनके मुताबिक ईवीएम में हेराफेरी को पकड़ना मुश्किल है। इसका यह अर्थ नहीं कि हम पुनः मतपत्र वाले काल में लौट जाएं और ईवीएम के उपयोग से हासिल हुई

दक्षता से खुद को महरूम करें। हालांकि इसका मतलब यह भी नहीं कि ईवीएम को लेकर जो शक-शुबहा हैं, उन्हें दूर न किया जाए। यह सार्वजनिक बहस का अलग से विषय है, जिसको लेकर मामला सर्वोच्च न्यायलय के सम्मुख भी है।

मसीह वाले प्रसंग में, सर्वोच्च न्यायालय ने रिवायती लंबी प्रक्रिया न अपनाकर त्वरित न्याय दिया है। खंडपीठ ने सबके सामने पड़ताल की और प्रस्तुत सबूतों के आधार पर अपेक्षाकृत सरल इस मामले में सत्य को छांट लिया। चुनाव दुबारा से करवाना न्यायोचित न होता, खासकर जब विवाद चुनाव अधिकारी द्वारा कुछ मतपत्रों को बिगाड़ने तक सीमित था और जिसके लिए अकाट्य प्रमाण उपलब्ध था। अदालत ने चुनाव अधिकारी द्वारा किए कृत्य को निरस्त करके और विवादित मतपत्रों को वैध ठहराते हुए, चुनाव परिणाम की घोषणा करवाकर सही किया है। ईवीएम से पूर्व काल में चुनाव अधिकारी गणना से पहले, मतपत्रों की वैधता तय करने में, इसी प्रकार अपनी चलाया करते थे। सर्वोच्च न्यायालय का फैसला क्रिकेट मैच में अपनाई डीआरए (डिसीजन रिव्यू सिस्टम) व्यवस्था सरीखा है, जिसमें तीसरा अम्पायर मैदान वाले अम्पायर के फैसले को उलट सकता है, बिना गेंद दुबारा डलवाए।

यह कहना कि मसीह तो एक आसान निशाना था, इसके बावजूद अदालत के जज्बे की तारीफ बनती है न कि कम कर-के आंकना। मसीह का अनुचित व्यवहार ही उसको निशाने पर ले आया। जिस पर न्यायाधीश खफा हुए, साफ है उसने यह करके अपनी छवि खलनायक जैसी बना डाली। अदालती फैसले को अपरिहार्य दंडाधिकारी की तरह लिया जाए, जैसे कि कर्मफल का दंड देने वाली ग्रीक देवी नेमेसिस, जो नियम-स्थापित पवित्र प्रक्रिया को बिगाड़ने का प्रयास करने वालों का इंतजार करती है।

हालांकि गूढ़ प्रश्न है कि क्या मसीह ने यह सब अपने तौर पर किया होगा। क्या अन्य भी थे जिन्होंने उसे ऐसा करने को कहा और यकीन दिलवाया कि यदि कुछ समय के लिए अपनी अंतरात्मा को दबा दे तो बहुत बड़ा फल मिलेगा। और इस दुर्भाग्यपूर्ण मामले में यही बात गहन पड़ताल का आह्वान करती है। जिस ढंग से विजयी घोषित किए मेयर ने कुर्सी संभाली, वह कठिनाई से पाई सफलता पर तात्क्षणिक खुशी के सदका न होकर उस साजिश का हिस्सा था, जिसकी पटकथा पहले लिखी जा चुकी थी और अगले दृश्य के अभिनय में केवल इशारे मिलने की देर थी। चुनाव अधिकारी तो केवल एक निमित्त मात्र था।

आदि से अंत तक, यह पूर्ण रूप से चालबाजी थी। पहले एक घटिया साजिश फिर उसका अनाड़ी क्रियान्वयन, तत्पश्चात तुरत-फुरत कब्जा करना। आगे, कुछ पार्षदों का पाला बदलना और मेयर का त्यागपत्र देना तेजी से बदलते परिदृश्य में एक चतुर किंतु अधकचरा जुगाड़ रहा। अवश्य इस सबके पीछे कोई मास्टरमाइंड जरूर काम कर रहा था। परंतु अंततः न्यायालय ने हथौड़ा चलाकर इस नाटक का पटाक्षेप कर दिया। नये मेयर को गद्दी से उतारने के लिए उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की संभावना बनी हुई है, यदि कानूनन इजाजत हो। यह पैंतरा सफल हो भी सकता है, क्योंकि मंडी में हरेक चीज की एक कीमत है। यह होने पर, लोकतंत्र का आगे चीरचरण होगा। कोई हैरानी नहीं इस अलोकतांत्रिक प्रयास से सत्ता हासिल करने पर सत्तारूढ़ दल की ओर से मुंह से एक शब्द तक न निकला। जो कुछ सर्वोच्च न्यायलय ने मसीह वाले मामले में किया है वह न्याय को तार्किक निर्णय तक पहुंचाने जैसा है। यह कुछ ऐसा है कि न्यायाधीशों ने दिन-दहाड़े डकैती होना पाया और एक लुटेरा पकड़ा गया, तब मजबूरन डकैतों ने लूटा माल लौटाना तय किया। यहां इस मामले में, छीना गया सबसे कीमती सरमाया यानी लोकतंत्र, जिसके लिए देश ने लंबी लड़ाई लड़ी है। सर्वोच्च अदालत द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुनः स्थापित करने के साथ, क्या भारत के लोग इसे सहेजकर रखने के लिए अपनी ओर से कुछ योगदान करेंगे? क्या यह सिद्धांत इलेक्ट्राल बॉन्ड्स पर भी लागू होगा, यक्ष प्रश्न है। बाइबल के पात्रों डेविड और गोलिएथ की तरह न तो यह लड़ाई पहली है न ही अंतिम। वहां तो डेविड ने कंकड़ एवं गुलेल और सहायक बने ईश्वर का साथ पाकर गोलिएथ को हरा दिया था। किंतु आज के प्रत्येक डेविड को यदि जीतने की आशा रखनी है, तो प्रतिबद्धतापूर्ण साहस और अदालतों के सतत और बिना शर्त साथ की जरूरत है। कोई हैरानी नहीं न्यायाधीश को माई लॉर्ड (मेरा भगवान) कहा जाता है।

भाईचारे और सौहार्द के संदेश की उम्मीद

विवेक शुक्ला

दिल्ली से हजारों मील दूर मुगल बादशाह शाहजहां के निमंत्रण पर उज्बेकिस्तान के बुखारा शहर से एक इस्लामिक धर्मगुरु सैयद अब्दुल गफूर शाह बुखारी आए और जामा मस्जिद के इमाम की बागडोर संभाली। उन्होंने 25 जुलाई, 1656 को यहां ईद की नमाज का नेतृत्व किया। बीते रविवार को उनके वंशज और नोएडा की एमेटी यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट रहे सैयद शाबान बुखारी की दस्तारबंदी के संपन्न होने के साथ ही वे जामा मस्जिद के शाही इमाम बन गए। इस तरह वे जामा मस्जिद के 14वें इमाम बन गए हैं। हालांकि, सैयद अहमद बुखारी भी शाही इमाम के पद पर बने रहेंगे। अब चूंकि माहे रमजान के पवित्र माह को कुछ ही समय शेष है, इसलिए माना जा सकता है कि सैयद शाबान बुखारी जामा मस्जिद में अपने पिता की गैर-मौजूदगी में नमाज की अगुवाई किया करेंगे।

उत्तराधिकार संबंधी किसी भी अप्रिय विवाद से बचने के लिए जामा मस्जिद के इमाम अपने जीवनकाल में ही अपने उत्तराधिकारी की घोषणा कर देते हैं। मौजूदा इमाम सैयद अहमद बुखारी को वर्ष 2000 में नायब इमाम घोषित किया गया था जब उनके पिता सैयद अब्दुल्ला बुखारी गंभीर रूप से अस्वस्थ थे।

मुगलकाल में जामा मस्जिद के शाही इमाम के दो प्रमुख काम थे- मुगल सम्राटों का राज्याभिषेक करवाना और जामा मस्जिद में नमाज के सुचारु संचालन को देखना। जामा मस्जिद के पहले इमाम सैयद गफूर बुखारी ने बादशाह औरंगजेब का राज्याभिषेक किया था। मुगल बादशाह बहादुरशाह जफर का राज्याभिषेक 30 सितंबर, 1837 को जामा मस्जिद के आठवें इमाम मीर अहमद अली शाह बुखारी की सरपरस्ती में हुआ था। खैर, अब राजशाही तो खत्म हो गई है इसलिए जामा मस्जिद के इमाम का मुख्य काम तो नमाज अता करवाना ही रह गया है। इस बीच, एक सवाल जो कई लोग पूछ रहे हैं : क्या 29 साल के सैयद शाबान बुखारी अपने पिता और दादा के नक्शे कदम पर चलेंगे या विवादों से दूर रहेंगे? इमाम सैयद अहमद बुखारी और उनके पिता इमाम सैयद अब्दुल्ला बुखारी जाने-अनजाने विवादास्पद बयानबाजी करते रहे हैं। ये कुछ राजनीतिक दलों के पक्ष में भी खड़े होते रहे हैं। जहां तक सैयद अहमद बुखारी का सवाल है, शायद उन्होंने पहली बार विवाद तब खड़ा किया था जब उन्होंने 21 अक्तूबर, 2001 को बरखा दत्त के शो वी द पीपल के दौरान शबाना आजमी के लिए

आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था।

उन्होंने 2014 में सैयद शाबान बुखारी को नायब इमाम बनाए जाने के मौके पर हुए एक कार्यक्रम में पाकिस्तान के तब के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था। और उसी वर्ष, उन्होंने नवाज शरीफ को पत्र लिखकर जम्मू-कश्मीर के हुर्रियत नेताओं को युद्धविराम के लिए सहमत होने और बातचीत के माध्यम से कश्मीर मुद्दे को हल करने के लिए मनाने का आग्रह किया था। यह आश्चर्य की बात थी कि वह भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दोनों बार भूल गए थे। दिल्ली के प्रसिद्ध इतिहासकार आर.वी. स्मिथ कहते थे सैयद शाबान बुखारी के परदादा, इमाम अब्दुल हामिद बुखारी को तब तक एक गैर-विवादास्पद इमाम माना जाता था जब तक कि उनका नेताजी सुभाष चंद्र बोस की इंडियन नेशनल आर्मी (आईएनए) के जनरल शाहनवाज खान के साथ बड़ा पंगा नहीं हो गया था। जनरल शाहनवाज खान ने जामा मस्जिद में नए इमाम की नियुक्ति में परिवारवाद के रोल पर सवाल खड़े किए थे। गौरतलब है कि जनरल शाहनवाज खान बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के करीबी रिश्तेदार थे। अपने जोशीले भाषण देने वाले इमाम अब्दुल हामिद बुखारी इमरजेंसी के बाद श्रीमती इंदिरा गांधी का खुलकर विरोध कर रहे थे। वे मुसलमानों से जुड़े सामाजिक और आर्थिक मुद्दों में गहरी दिलचस्पी लेते थे।

कुछ लोग यह भी पूछ रहे हैं : जामा मस्जिद में वंशानुगत प्रथा क्यों चल रही है जो इमाम को अपने रिश्तेदारों को मस्जिद के अगले इमाम के रूप में नियुक्त करने की अनुमति देती है? यह बिल्कुल उचित प्रथा है कि जामा मस्जिद के इमाम अपने परिवार के सदस्य को अगले इमाम के रूप में नियुक्त करते हैं। इस प्रथा में कुछ भी गलत नहीं है। ये परंपरा सदियों से चली आ रही है। जो लोग इस स्थापित प्रथा पर सवाल उठाते हैं, उनके मन में इस समृद्ध परंपरा के प्रति कोई सम्मान नहीं है, अखिल भारतीय इमाम संगठन के अध्यक्ष मौलाना उमेर इलियासी कहते हैं। जामा मस्जिद में ही कांग्रेस के कद्दावर नेता मौलाना अबुल कलाम आजाद ने 23 अक्तूबर, 1947 को मुसलमानों का आह्वान किया था कि वे पाकिस्तान जाने का इरादा छोड़ दें। वे भारत में ही रहें। उन्हें किसी बात की फिक्र करने की कोई वजह नहीं है। भारत उनका है। मौलाना आजाद की तकरीर के बाद दिल्ली के सैकड़ों मुसलमानों ने पाकिस्तान जाने के अपने इरादे को छोड़ दिया था। आर्य समाज के नेता और समाज सुधारक स्वामी श्रद्धानन्द ने जामा मस्जिद से ही हिन्दू-मुसलमानों में भाईचारे पर अपना प्रखर वक्तव्य 4 अप्रैल, 1922 को दिया था।

हिन्दुस्तान के मुसलमान जामा मस्जिद को भावनात्मक रूप से भी जोड़कर देखते हैं। ये जब बनी तब मुगलकाल का स्वर्णकाल था। जामा मस्जिद के बाद देशभर में कई मस्जिदें इसके डिजाइन को ध्यान में रखकर बनीं। अलीगढ़ में एएमयू कैंपस में बनी मस्जिद देखने में दिल्ली की जामा मस्जिद से बिलकुल मिलती-जुलती है। बहरहाल, जामा मस्जिद को नए शाही इमाम के मिलने के साथ ही यह उम्मीद जरूर पैदा हो गई कि यहां से भाईचारे और सौहार्द का संदेश सारे देश में जाया करेगा।

किसानी आय बढ़ने से दौड़ेगा विकास का पहिया

देविंदर शर्मा

ऐसा लग रहा है मानो किसान अचानक विलेन बन गया हो। एक बार देश के नायक के रूप में सम्मानित- फिल्म शीर्षक का इस्तेमाल करें तो हीरो नंबर-1 अब उनके साथ बर्ताव किया जाता है और किसानों के खिलाफ छिपी अवमानना अब खुलेआम है। इसका अधिकांश कारण गलत सूचना अभियान है जिसे मीडिया प्रचारित करता रहता है। यदि मैं गलत नहीं हूं, तो पत्रकार मुझे बताते हैं कि यह बदनामी अभियान काफी हद तक अहस्ताक्षरित नोटों पर आधारित है जो मीडिया व्हाट्सएप समूहों में प्रसारित होते हैं।

मुख्यधारा के मीडिया के बारे में बात करते हुए, हाल ही में मेरा सामना एक पैनलिस्ट से हुआ जो उस समिति का हिस्सा है जिसे एमएसपी को और अधिक प्रभावी बनाने के तरीके पर विचार करने के लिए गठित किया गया है। हम एक टीवी शो में एमएसपी को कानूनी अधिकार बनाने की किसानों की मांग की प्रासंगिकता पर चर्चा कर रहे थे। जिस बात ने मुझे चौंका दिया वह थी अशिष्टता जिसके साथ उन्होंने जवाब दिया, इतना कि उन्होंने किसानों को राष्ट्र-विरोधी कहना शुरू कर दिया। यह जानते हुए भी कि उनकी स्थिति घोर किसान विरोधी है, मुझे नहीं पता कि ऐसे लोगों को एमएसपी समिति में क्यों नामांकित किया जाता है। अन्य सदस्यों पर कोई आक्षेप न लगाते हुए, मेरा मानना है कि ऐसी अहम समितियों की संरचना का निर्णय करते समय, नीति निमार्ताओं को सावधानीपूर्वक उन सदस्यों को चुनना चाहिए जो अंतर्निहित पूर्वाग्रह नहीं रखते हैं।

मुझसे अक्सर मीडिया साक्षात्कारों और चचाओं में उठाए जाने वाले सवालों का जवाब देने के लिए कहा गया है। उदाहरण के लिए, जब मुझसे पूछा गया कि एक टीवी एंकर कह रहा है कि अगर किसानों को एमएसपी का कानूनी अधिकार दे दिया जाए तो खाद्य मुद्रास्फीति 25 फीसदी बढ़ जाएगी, तो मेरा जवाब था कि हमें इस प्रबुद्ध पत्रकार का आभारी होना चाहिए कि उन्होंने इससे मुद्रास्फीति में 150 फीसदी तक बढ़ोतरी हो जाने की बात नहीं कही। वे यह जानते हुए ही ऐसा कह सकते थे कि वह जो भी कहेंगे उस पर कोई सवाल नहीं उठेगा। एक अन्य सवाल पर कि किसानों के लिए कानूनी एमएसपी पर 10 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा, जिसे देश वहन नहीं कर सकता, मेरा जवाब था कि पहले इसका स्रोत बताएं, और दूसरा कि किसानों के लिए एमएसपी बढ़ाने से भय क्यों है। अभी तक, जिन 23 फसलों पर एमएसपी घोषित किया गया है, प्रभावी रूप से तो उनमें से गेहूं व धान के लिए ही इस्तेमाल किया गया है। कुछ हद तक एमएसपी कपास व दालों के लिए भी लागू हुआ, और वह भी कुछ ही राज्यों में। हाल ही में संसद को सूचित किया गया कि देश में 14 फीसदी किसानों को एमएसपी मिलता है जिसका अभिप्राय है कि 86 फीसदी किसान बाजारों पर निर्भर हैं। यदि बाजार इतने उदार या दयालु होते तो किसान आंदोलन क्यों करते? यह जानते हुए भी कि उन्हें पुलिस के दमन का सामना करना पड़ेगा। किसान किसी मनोरंजन के लिए आंदोलन नहीं कर रहे और विरोध प्रदर्शनों से कोई परपीड़ा का सुख भी नहीं ले रहे। वास्तव में, यह समय है उनकी तर्कसंगत मांगों को हल करने के प्रयास हों।

समाज के पिरामिड के निचले तल पर किसान किसी तरह गुजारा कर रहे हैं। इसकी व्याख्या के लिए, मैं कृषि परिवारों के लिए नवीनतम स्थितिजन्य आकलन सर्वेक्षण के निष्कर्षों को दोहराना चाहूंगा। हालिया रिपोर्ट बताती है कि किसान परिवारों की औसत आय 10,218 रुपये है। यदि हम गैर-कृषि गतिविधियों से होने वाली आय को शामिल न करें, तो किसान प्रति दिन औसतन 27 रुपये कमाते हैं। खेती से इतनी कम आय कृषि क्षेत्र में व्याप्त गरीबी के स्तर का संकेत है। और किसी भी स्थिति में, प्रधानमंत्री के सबका साथ सबका विकास के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए, कृषक समुदाय को आर्थिक रूप से उभारना आवश्यक है। आखिरकार, 50 प्रतिशत के करीब आबादी झ लगभग 700 मिलियन झ कृषि पर निर्भर है और नीति नियंताओं को यह समझने की जरूरत है कि 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते हुए विकास पथ पर चलते हुए, बहुसंख्यक आबादी को पीछे नहीं छोड़ा जा सकता है। मूल रूप से किसान जो मांग रहे हैं वह है एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी प्रदान करना, और इसे स्वामीनाथन की सिफारिशों के तहत सी2+50 फॉर्मूले के साथ जोड़ना। यह किसानों के साथ आर्थिक न्याय को यकीनी बनाएगा, और परेशानियों से जूझ रहे कृषक समुदाय के लिए उजाले की किरण प्रदान करेगा। किसानों को उच्चतर और यकीनी आय प्रदान करना देश पर भार नहीं, उच्च आर्थिक विकास की दिशा में कदम होगा। देश में 86 प्रतिशत किसान ऐसे हैं जिन्हें एमएसपी नहीं मिलता है, उन्हें निश्चित रूप से लाभ होगा। किसानों के हाथ में अधिक पैसा होने का मतलब है कि उनके पास बाजार में खर्च करने के लिए अधिक पैसा होगा। जो मांग पैदा होगी वह बहुत विशाल होगी, जिससे विकास का पहिया और तेजी से दौड़ेगा। इससे और उच्च आर्थिक संवृद्धि हांसिल होगी। सातवां वेतन आयोग, जिससे जिससे लगभग 4 से 5 प्रतिशत आबादी को लाभ हुआ, इसे अर्थव्यवस्था के लिए बूस्टर डोज के रूप में देखा गया। कल्पना कीजिये, यदि 50 फीसदी आबादी ज्यादा खर्च करती है तो यह इकोनोमी के लिए रॉकेट खुराक सरीखी होगी। एमएसपी को कानूनी दर्जा प्रदान करने में निहित विकास की संभावनाओं की सच्चाई जानने के बजाय, अर्थशास्त्री और मीडिया बाजार की तथाकथित कुशलता से चौंधिया गये हैं। यदि मार्केट्स इतनी ही कुशल होती तो मुझे कोई कारण नजर नहीं आता कि दुनियाभर में किसान गहरे संकट में क्यों हैं। उदाहरण के जरिये स्पष्ट करें तो अमेरिका के ग्रामीण क्षेत्र में आत्महत्या की दर राष्ट्रीय औसत से 3.5 गुणा ज्यादा है। यूरोप में जनवरी माह में 17 देशों में किसानों के प्रदर्शन हुए और ये प्रदर्शन स्पेन, पोलैंड और इटली में अभी भी जारी हैं। यूरोप में भी प्राथमिक मांग कृषि उपज के यकीनी दाम है। यह बिल्कुल वही है जिसकी भारत में प्रदर्शनकारी किसान मांग कर रहे हैं। यूरोप की तरह, भारतीय किसान सरकार द्वारा हरेक चीज खरीदने की मांग नहीं कर रहे हैं। वे एमएसपी के रूप में ऐसा बेंचमार्क चाहते हैं कि जिससे नीचे कोई खरीद-फरोख्त न हो।

कल्पनात्मक आंकड़ों को उछालने का मकसद सरकार को स्थापित करना है, का उद्देश्य केवल भय का मनोविकार पैदा करना है। ऐसा पहले भी हुआ था जब गरीबों के लिए सस्ता राशन देने का वादा करते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम लाया गया था। यह हाय-तौबा कि एमएसपी को वैध बनाने का कोई भी कदम बाजारों को विकृत कर देगा, अनिवार्य रूप से कॉर्पोरेट हितों की रक्षा के लिए है। आखिरकार, कृषि उद्योग के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराती है। यदि कृषि कीमतें बढ़ती हैं, तो उद्योग को डर है कि उसका मुनाफा सिकुड़ जाएगा। महज कंपनियों के लिए उच्चतर लाभ-सीमा यकीनी बनाने के लिए, भारत अपने किसानों के बड़े हिस्से को लगातार गरीबी में नहीं रख सकता है। यह समय निर्णय लेने का है क्या हम बाजार को बरकरार रखना चाहते हैं या किसानों को बिगड़ते जा रहे कृषि संकट से बाहर निकालना चाहते हैं।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

बैंक आधारित स्वारोजगार योजनाओं में बैंक समय से करे सहयोग अन्यथा सम्बन्धित के विरूद्ध पत्राचार कर उच्चाधिकारी को अवगत कराते हुये की जायेगी कार्यवाही

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देश एवं मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आज इंडियन बैंक/ अग्रणी बैंक प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक आहूत की गयी। बैठक में बैंक आधारित स्वारोजगार योजनाओं की समीक्षा के दौरान पिछले माह से विभिन्न बैंको द्वारा विभिन्न योजनाओं में ऋण की स्वीकृति व स्वीकृति उपरान्त वितरण की अपेक्षित कार्यवाही न करने पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये प्रगति कम लाने वाले सम्बन्धित बैंको को पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि स्वारोजगारपरक योजनाओं में बैंको द्वारा सहयोग प्रदान न करना लापरवाही का द्योतक है। उन्होने कहा कि माह जनवरी व फरवरी में विभिन्न विभागो के द्वारा ऋण हेतु जो भी आवेदन बैंको को भेजे गये है एक सप्ताह के अन्दर स्वीकृति तथा जिस पर स्वीकृति प्रदान की गयी है उसका वितरण सुनिश्चित कराते हुये पोर्टल पर अपलोड करायें। उन्होने कहा कि अगले माह के की बैठक में अपेक्षित प्रगति न लाने वाले बैंको के सम्बन्धित प्रबन्धक/पदाधिकारी के विरूद्ध उनके उच्चाधिकारी को पत्राचार कर अवगत कराते हुये कार्यवाही करायी जायेगी। बैठक में लम्बित पत्रावलियो का विवरण व उनकी पत्रावली न लाये जाने तथा बैंको से समन्वय न स्थापित करने पर सहायक मैनेजर उद्योग जैश कुमार का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने का निर्देश देते हुये मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि लम्बित पत्रावलियो को स्वंय बैंको से समन्वय स्थापित कर निस्तारण सुनिश्चित कराये अन्यथा कड़ी कार्यवाही की जायेगी। समीक्षा के दौरान ओ0डी0ओ0पी0 एवं मा0 मुख्यमंत्री युवा स्वारोजगार योजना में इंडियन बैंक, बैंक आफ बड़ौदा तथा आर्याव्रत बैंक के द्वारा प्रगति न लाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी तथा कहा कि स्वीकृत पत्रावलियों को 29 फरवरी 2024

तक वितरण सुनिश्चित कराकर पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होने लीड बैंक प्रबन्धक एवं उपायुक्त उद्योग को निर्देशित करते हुये कहा कि प्रत्येक बैंको की साप्ताहिक मानिटरिंग करे तथा यह सुनिश्चित कराये कि किस बैंक कितनी पत्रावली किन कारणो से लम्बित है तथा यदि पत्रावली निरस्त की गयी है तो उसका भी कारण सहित सूची उपलब्ध कराये। बैठक में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के अन्तर्गत जिला खादी ग्रामोद्योग ने जानकारी देते हुये बताया गया कि योजनान्तर्गत संशोधित वार्षिक लक्ष्य ईकाई संख्या-84 मार्जिन मनी धनराशि रूपय 208.04 लाख एवं रोजगार की संख्या 512 निर्धारित किया गया हैं। जिस पर अपेक्षित कार्यवाही की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना की विस्तृत समीक्षा की गयी। बैठक प्रबन्धक लीड बैंक ने जानकारी देते हुये बताया कि जनपद में 22 विभिन्न बैंको की कुल 204 शाखाओ में से 135 ग्रामीण क्षेत्र, 22 अर्द्धशहरी क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र में है। वाणिज्यिक बैंको 129 शाखाए, ग्रामीण बैंक की 56 शाखाए तथा जिला सहकारी बैंक की 16 एवं यू0पी0एस0जी0वी0 की तीन शाखाए जनपद में हैं। उन्होने बताया कि दिसम्बर 2023 तक कुल जमा रूपया 9431.95 करोड़, कुल अग्रिम रू0 4932.38 करोड़ एवं समस्त बैंको का औसत ऋण जमा अनुपात 52.29 प्रतिशत है व्यवसायिक बैंको औसत ऋण जमा अनुपात 43.90 प्रतिशत हैं। उन्होने मुख्य विकास अधिकारी को जानकारी देते हुये बताया कि कुछ बैंको जैस इंडियन ओवरसीज बैंक, यूको बैंक, पंजाब नेशल बैंक, यूनियन बैंक, बैंक आफ इंडिया, केनरा बैंक, कोटेक महिन्द्रा एवं भारतीय स्टेट बैंक का ऋण जमा अनुपात 31 दिसम्बर 2023 तक 40 प्रतिशत से कम है जिस पर मुख्य विकास अधिकारी असंतोष व्यक्त करते हुये ऋण जमा अनुपात बढ़ाने का निर्देश दिया। प्रबन्धक लीड ने आगे बताया कि प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रान्तर्गत जनपद की कुल अग्रिम 65.93 प्रतिशत है, कृषि अग्रिम 34.72 प्रतिशत है तथा एम0एस0ई0, वीकर सेक्सन अग्रिमो का प्रतिशत क्रमशः 24.78 प्रतिशत तथा 13.78 प्रतिशत है। जनपद का कुल एन0पी0ए0 9.05 प्रतिशत है जो औसत से अधिक एवं चिन्ताजनक हैं। बैठक में किसान केडिट कार्ड/फसली ऋण वितरण प्रगति के सम्बन्ध में जानकारी दिया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 120918 कृषको का के0सी0सी0 ऋण संवितरण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसमें व्यवसायिक बैंको को 108139 तथा सहकारी बैंको को 12779 कृषको लाभान्वित करना है वित्तीय वर्ष 2023-24 में 31 दिसम्बर 2023 तक कुल 110259 कृषको को रूपया 1043.28 करोड़ का फसली ऋण संवितरण किया गया जो लक्ष्य का 78.19 प्रतिशत हैं। बैठक में संयुक्त मजिस्ट्रेट आलोक प्रसाद, उपायुक्त उद्योग अशोक कुमार, जिला खादीग्रामोद्योग अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ राजेश सिंह, प्रबन्धक लीड बैंक सहित सभी बैंको नोडल अधिकारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

उत्तर प्रदेशीय शिक्षक संघ की बैठक सम्पन्न

प्रखर चिरईगांव वाराणसी। उत्तर प्रादेशिक शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष डॉ दिनेशचन्द्र शर्मा जी के निर्देश पर आज दिनाँक 28 फरवरी 2024 को बी आर सी चिरईगांव के चार संकुल के अध्यापकों द्वारा लिखित रूप में से टैबलेट के उपयोग का विरोध किया गया। ब्लॉक अध्यक्ष ज्योति भूषण त्रिपाठी ने बताया कि जब तक विभागीय सिम उपलब्ध नहीं कराया जाता तब हम टैबलेट का प्रयोग शुरू नहीं करेंगे। टेबलेट से उपस्थिति के पहले हमें राज्य कर्मियों की तरह 31 उपार्जित अवकाश, माह के दूसरे शनिवार का अवकाश व हाफ सी एल दिया जाये। ब्लॉक मंत्री श्री शैलेन्द्र पाण्डेय जी ने कहा कि जब तक उपरोक्त मांगे नहीं मानी जायेगी तब तक हमारा विरोध जारी रहेगा।संगठन के पदाधिकारियों द्वारा बताया गया कि ब्लॉक के शेष शिक्षकों को शनिवार व सोमवार को हस्ताक्षर के लिये विद्यालय समय के बाद बी आर सी बुलाया गया है तथा सोमवार को ही यानी 4 मार्च को पूरे प्रदेश में सभी ब्लॉकों में बीईओ के माध्यम से महानिदेशक स्कूल शिक्षा को टेबलेट के उपयोग के विरोध में ज्ञापन दिया जाएगा। उस दिन बी आर सी पर सभी शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य है।

अज्ञात चोरों द्वारा किराना स्टोर से हजारों की चोरी से क्षेत्र में दहशत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बाबा आदित्य नाथ योगी राज में पुलिस हजार दावे करे लेकिन चोरों के हौसले आज भी बुलन्द है जिसका ताजा उदाहरण नगसर थाना क्षेत्र के अवन्ति गांव के पश्चिम ओर जयशंकर लाल श्रीवास्तव के किराना की दुकान से हुई हजारो की चोरी हुई जिससे क्षेत्र में दहशत और डर का माहौल व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार रात में हुई शटर तोड़कर चोरी की जानकारी सुबह हुई जब जयशंकर अपने दुकान पर पहुंचे और दुकान से तिजोरी का पैसा और घरेलू प्रयोग की हजारो रुपए का समान चुरा ले गए थे जयशंकर ने बताया कि चोरी की लिखित सूचना नगसर थाना को दिया है। इस सम्बंध में नगसर थानाध्यक्ष सन्तोष राय ने बताया कि मामला की जानकारी हुई है पुलिस छानबीन कर रही है जल्दी ही जांच कर-के उचित कार्यवाही किया जाएगा।

संगीता बलवंत की जीत शुभ संकेत 80 सीटों पर जीतेगी भाजपा : विजय मिश्रा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। यूपी में राज्यसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली जीत पर पूर्व मंत्री विजय मिश्र ने डॉ संगीता बलवंत सहित सभी बीजेपी उम्मीदवारों को बधाई दी है। उत्तर प्रदेश राज्यसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी के सभी प्रत्याशियों को प्रचंड जीत दर्ज करने की हार्दिक बधाई दी है। उन्होने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकास और सबका प्रयास पर अटूट विश्वास का प्रमाण है और डबल-इंजन की भाजपा सरकार की जनसेवा एवं गरीब कल्याण की प्रभावशाली नीतियों की जीत है। वहीं बीजेपी नेता मिश्रा ने कहा कि यह जीत शुभ संकेत है कि उत्तर प्रदेश में लोकसभा की सभी 80 सीटों पर भाजपा जीत दर्ज कर पुनः सरकार बनायेगी।

बैनामे की जमीन से पुलिस ने हटवाई डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा

प्रखर सहजनवां गोरखपुर। नगर पंचायत घघसरा के वार्ड संख्या-1 नगर बिजौवा में बुधवार को बैनामा की जमीन से पुलिस ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा हटवाई और विवाद शांत कराया। मौके पर एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव के अतिरिक्त थाना प्रभारी सहजनवा मदन मोहन मिश्रा व चौकी प्रभारी घघसरा अवधेश पाण्डेय भी मौजूद थे। मिली जानकारी के अनुसार- दलित बस्ती में खाली पड़ी-तकरीबन 4 डिस मिल जमीन पर लोगों का कब्जा है। बीते मंगलवार की रात लोगों ने बने चबूतरे पर बाबा साहब डा० भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा रख दी। जिससे दो पक्षों में तनाव उतपन्न हो गया। दलित बस्ती के लोगों का कहना है कि जमीन हम लोगों के पूर्वजों को ग्राम रिठुआखोर के जमींदार सैंथवारों द्वारा सेवा के बदले दिया गया था। तभी से हम लोग काबिज हैं और रह रहे हैं। बाबा साहब से जुड़े सभी कार्यक्रम भी करते चले आ हते हैं। गौरतलब बात यह है कि- उसी जमीन को मोहल्ले के रहने वाले प्रकाश यादव वगैरह ने कुछ माह पहले रिठुआखोर के लोगों से अपने नाम बैनामा करा लिया। भनक लगी तो दलित बस्ती के आनन-फानन में बीते मंगलवार की रात बाबा साहब की प्रतिमा रख दी। इसी बात को लेकर बुधवार की सुबह दोनों पक्षों में बहस हो गया और पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दे दी। मौके पर पहुची पुलिस फोर्स एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव की अगुवाई में प्रतिमा हटवा दी और मामला शांत कराया। उक्त संदर्भ में एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि- बाबा साहब की प्रतिमा हटवाई गयी है। दोनों पक्षों को थाने पर दस्तावेज के साथ बुलाया गया है।

ग्राम प्रधान कार्यालय पर लोगों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

सकलडीहा। मंगलवार को सुबह से ही सकलडीहा ग्राम प्रधान के कार्यालय पर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा था। जहा इस स्वास्थ्य परीक्षण में लोगों का दर्द, बुखार, हाइपरटेंशन, एसिडिटी, डायबिटीज के साथ अन्य जांच की जा रही थी। वही जांचों परांत लोगों के अंदर पाई जाने वाली कमियों को देखते हुए संबंधित डॉक्टर से उचित सलाह व उपचार कराने के लिए प्रेरीत किया जा रहा था। चर्चा के दौरान उपस्थित टीम लीडर ने बताया कि पिछले दिनों इन दोनों क्षेत्र में हाई ब्लड प्रेशर के साथ हार्ट अटैक की बीमारियां अत्यधिक पाई जा रही है। जिसका कारण लोगों द्वारा समय-समय पर अपने स्वास्थ्य परीक्षण के साथ अपने स्वास्थ्य मे लापरवाही बरतना पाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने किया जिले के साईबर थाना, थाना हॉस्टल, बैरक व विवेचना कक्ष का लोकार्पण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ के द्वारा लोक भवन सभागार, लखनऊ से उ0प्र0 पुलिस अवस्थापना सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु जनपद गाजीपुर के पुलिस लाईन स्थित साइबर थाना व थाना गहमर में साइबर सेल तथा जनपद के 08 थानों के हास्टल, बैरक व विवेचना कक्ष जिसमें थाना रेवतीपुर, थाना गहमर,थाना नगसर हाल्ट ,थाना दुल्लहपुर,थाना करीमुद्दीनपुर व थाना भुड़कुड़ा प्रत्येक में 16-16 पुलिसकमीयों हेतु हास्टल, बैरक तथा थाना मुहम्मदाबाद व भांवरकोल प्रत्येक में 32-32 पुलिसकर्मियों हेतु हास्टल, बैरक का लोकार्पण वर्चुअल माध्यम से किया गया।

लोकार्पण के इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह जनपद गाजीपुर द्वारा थाना गहमर में उपस्थित रहकर जनपद के सम्बन्धित थानो पर कार्यक्रम को सुचारू व सकुशल रूप से सम्पन्न कराया गया, इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व प्रभारी निरीक्षक थाना गहमर मय पुलिस बल तथा वहां की सम्मानित जनता भी उक्त कार्यक्रम मे उपस्थित रही।

भारत विज्ञान के क्षेत्र में बढ़ा आगे इसरो ने रचा इतिहास - प्रमोद वर्मा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को शहीद इंटर कॉलेज जखनियां पर राष्ट्रीय वैज्ञानिक दिवस पर कक्षा 5 से लेकर कक्षा 9 तक के छात्र छात्राओं ने विज्ञान प्रदर्शनी लगाई जिसका उद्घाटन व अवलोकन भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा, एचडीएफसी बैंक प्रबंधक अमित कुमार, जखनिया ग्राम प्रधान नंदू गुप्ता, विद्यालय प्रबंधक विनोद पांडेय, प्रधानाचार्य कैलाश वर्मा के द्वारा किया गया। बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और उनके द्वारा बनाए गए उपकरणों को देखकर अतिथियों ने बच्चों का उत्साह वर्धन किया और भविष्य में उनको आगे बढ़ने की प्रेरणा दिया। उक्त अवसर पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने कहा यह राष्ट्रीय वैज्ञानिक दिवस भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉक्टर सीवी रमन के 28 फरवरी 1928 को विज्ञान जगत के रमन इफैक्ट्स की खोज के कारण मनाया जाता है। यह पहला अवसर था जब किसी भारतीय वैज्ञानिक को विज्ञान के लिए 1930 में नोबेल पुरस्कार मिला था। बाद में जब भारत स्वतंत्र हुआ तो 1954 में उनको भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया। डॉ

सीवी रमन के इसी खोज के सम्मान में देश के युवा वैज्ञानिकों और बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 28फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। वर्मा ने कहा आज देश अपने होनहार वैज्ञानिकों की वजह से इसरो के क्षेत्र में कई कृतिमान स्थापित किए हैं। आज अपना भारत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रोत्साहन के कारण जो कभी दूसरे देशों पर प्रौद्योगिकी में आश्रित रहता था आज स्वयं सैकड़ो सैटलाइटों का प्रक्षेपण कर रहा है। देश ने अपने होनहार वैज्ञानिकों के वजह से पहली बार चंद्रयान की सफल लैंडिंग दक्षिणी ध्रुव पर कराई और वर्तमान में अब अपना भारत अपने स्वदेशी तकनीक के आधार पर गगनयान भेजने जा रहा है। यह भारत के लिए और यहां पढ़ने वाले बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। वर्मा ने उपस्थित सुमंत नैतिक वर्मा ज्योति गुप्ता आराधना कुशवाहा सहित सभी बच्चों के प्रोजेक्ट को देखकर उनके उज्वल भविष्य की कामना और उनको शुभकामनाएं दिया। सभी बच्चों को विद्यालय द्वारा पुरस्कृत किया गया इस मौके पर वाइस प्रधानाध्यापक लाल बहादुर पांडेय, विजय यादव, जयचंद, राजेश चौहान, सिकंदर कुमार, विनोद कुशवाहा, अशोक मौर्य, पवन पांडेय, सुजीत यादव, मनोज पांडेय, प्रभाचंद यादव, कृष्णा पांडेय सहित समस्त विद्यालय स्टाफ और छात्र-छात्राये उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य उद्देश्य- प्राचार्य पीएम श्री केवी 39 जीटीसी

प्रखर वाराणसी। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय 39 जीटीसी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर विद्यालय के विज्ञान शिक्षक, शिक्षकोंओ एवं विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रयोगों द्वारा विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। साथ ही बच्चों ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024 के मुख्य थीम "विकसित भारत के लिए भारतीय स्वदेशी प्रौद्योगिकी" पर आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में बढ़कर चढ़कर हिस्सा लिये। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर सी.बी.पी. वर्मा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सर सीवी रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज के कारण ही 28 फरवरी को देश भर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके लिए उन्हें 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह किसी भी भारतीय व एशिया के व्यक्ति द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में दिया गया पहला नोबेल पुरस्कार था। विद्यालय के उपप्राचार्य अभिषेक त्रिपाठी ने बच्चों को बताते हुए कहा कि

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित व प्रेरित करना तथा जनसाधारण को विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियां के प्रति सजग बनाना है। कार्यक्रम में उपस्थित जनों में मनीष सिंह, मनोज कुमार, ए.के. खरवार, सरोज पाण्डेय, एस श्रीवास्तव, वि. गुप्ता आदि का भी सराहनी योगदान रहा।

आपूर्ति विभाग के अवैध वसूली की जांच हुई शुरू, कोटेदारों से अपने पक्ष में ले रहे हलफनामा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के द्वारा विभाग में पूर्व से कार्यरत आंगनवाड़ी सहायिका को प्रमोशन देकर उन्हें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बनाया गया। जिसके लिए बुधवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। वहीं गाजीपुर में नियुक्ति पत्र वितरण का आयोजन गाजीपुर के राइफल क्लब में जिला अधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह और विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल रही। इस दौरान कुल 106 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कुमार पांडे ने बताया कि जनपद के 4127 आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से कुपोषित को सुपोषित करने और गर्भवती महिलाओं की पोषण की देखरेख के लिए विभाग के द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है । इसमें तेजी लाने के लिए शासन के निर्देश पर अगस्त महीने में 709 आंगनबाड़ी सहायिकाओं से आवेदन लेकर आरक्षण प्रक्रिया के तहत लिस्ट को प्रमोशन हेतु शासन को भेजा गया था। जहां से 175 को सेलेक्ट कर लिस्ट जनपद को भेजा गया। वही एक बार फिर जनपद

स्तर पर जब स्कूटनी कराई गई तब 106 पत्र निकाल कर आए। जिन्हें बुद्धवार से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बनाए जाने को लेकर नियुक्ति पत्र वितरित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस बात का ध्यान रखा गया है की उक्त कार्यकर्ता उक्त केंद्र का या फिर उस गांव के आसपास के रहने वाली हो। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ती को पोषण ट्रैक्टर पर कार्य करने के लिए शासन के द्वारा मोबाइल दिया जाता है। जो पूर्व में ही विभाग को प्राप्त हो चुका है । अब इन सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को अगले एक सप्ताह में प्रशिक्षण देकर इन लोगों को मोबाइल वितरित कर दिया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, समस्त ब्लॉकों के सीडीपीओ और आंगनबाड़ी कार्यकत्रि मौजूद रही।

स्वच्छ, स्वस्थ एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध करना जनसेवा का कार्य : डॉ. राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उज्वल सेवा संस्थान, गाजीपुर की ओर से पीजी कॉलेज के गेट के पास रियायती दर पर एक थाली, घर वाली कैंटीन की शुरूआत की गई। पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बुधवार को फीता काटकर रियायत दर के कैंटीन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने उपलब्ध लोगों को निशुल्क भोजन भी स्वयं उपलब्ध कराया। मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय जी के अन्त्योदय दर्शन के आधार की कड़ी में यह कैंटीन काम करते दिख रही है। अन्त्योदय का अर्थ है समाज के अंतिम पायदान पर पड़े व्यक्ति का उदय। सामाजिक पायदान के अंतिम व्यक्ति को भी सम्मानजनक रूप से स्वच्छ, स्वस्थ एवं पौष्टिक भोजन करने का अधिकार है। सरकार की ओर से भी तमाम योजनाओं को चलाकर गरीब और जरूरतमंद लोगों को खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस कैंटीन के खुलने से आस पास के विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, निकट ही मौजूद सदर अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज आने वाले मरीजों के तीमारदारों एवं राहगीरों को सस्ते दर पर भोजन की सुविधा उपलब्ध होगी। मेरा मानना है कि एक थाली घर वाली 30 रुपए में भरपेट भोजन उपलब्ध करना आज के इस महंगाई के समय में जनसेवा का कार्य है। इस अवसर पर उपस्थित पीजी कॉलेज इग्नू केंद्र के समन्वयक प्रोफेसर डॉ० एस० एन० सिंह ने भी उज्जवल सेवा संस्थान की ओर से शुरू किए गए कैंटीन की सराहना की। संस्था की ओर से सुरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि इस कैंटीन को शुरू करने के पीछे बहुत ही नेक मकसद है। भूखे लोगों को कम दाम पर शुद्ध भोजन उपलब्ध कराना इसका मूल उद्देश्य है। पीजी कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ ही सदर अस्पताल इलाज के लिए आने वाले लोगों को सुबह 9:00 से सायं 05 बजे तक कैंटीन के जरिए रियायती दर पर भोजन उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि उज्जवल सेवा संस्थान 2023 में स्थापित हुई थी और फिलहाल इस ट्रस्ट के तहत इस निशुल्क कैंटीन का संचालन किया जा रहा है। इस अवसर पर पुनीत सिंह, हर्षित श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, अजमत, अकरम, निर्भय, आकाश, रईस आदि मौजूद रहे।

अपने पुरातन छात्र, अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को विद्यापीठ ने किया याद

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ परिवार की ओर से अपने पुरातन छात्र, मां भारती के वीर सपूत, स्वतंत्रता सेनानी, अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जी की पुण्यतिथि पर मगंलवार को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विश्वविद्यालय के छात्र संघ भवन में आजाद जी की प्रतिमा पर विद्यापीठ के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कर अपना श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस दौरान अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जी के स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान एवं उनके कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान प्रो. अशोक कुमार मिश्र, प्रो. तेज बहादुर सिंह, प्रो. पीतांबर दास, उपकुलसचिव हरीश चंद, डॉ. नागेंद्र कुमार सिंह एवं संपत्ति अधिकारी डॉ. सूर्यनाथ सिंह सहित विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की मिड-टर्म परीक्षा 18 मार्च से

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अन्तर्गत संचालित बी.लिब.आई.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर एवं एम.लिब.आई.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर सत्र 2023-24 की मिड-टर्म परीक्षा क्रमशः 18 मार्च व 20 मार्च, 2024 से शुरू होगी। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के समन्वयक डॉ. शिवराम वर्मा ने बताया कि उक्त परीक्षा विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय में 18 से 21 मार्च तक चलेगी। साथ ही बताया कि सभी छात्र-छात्राएं अपने सभी प्रश्न पत्रों के असाइनमेंट 21 मार्च 2024 तक विभाग में जमा करना सुनिश्चित करें। परीक्षा की समय सारिणी सहित अन्य जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है।

इंट्रोडक्शन ऑफ हैंडलूम साइंस विषय की मीड-टर्म परीक्षा 6 मार्च को

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के बी.ए., बी.सी.ए. एवं बी.कॉम. प्रथम व तृतीय सेमेस्टर सत्र 2023-24 के छात्रों का कौशल विकास पाठ्यक्रम के तहत इंट्रोडक्शन ऑफ हैंडलूम साइंस विषय की मीड-टर्म परीक्षा 6 मार्च, 2024 को दोपहर 12 बजे से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में होगी। विज्ञान एवं प्रद्यौगिकी संकाय के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष कुमार ने बताया कि यह परीक्षा दुबारा आयोजित नहीं होगी, इसीलिए उक्त तिथि एवं समय पर सम्बन्धित छात्र-छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य है।

बसंती हवा के बहाने

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

वसंत पंचमी निकल गई। फाल्गुन आ गया। चारों ओर फूल खिले है। वसंत में फूल ही फूल दिखते है। इसलिए मन भी उल्लसित हो जाता है। होली आने वाली है। कल तक जो हवा डराती थी, अब वह अच्छी लगने लगी है। धूप कितनी अच्छी लगती थी। धूप से हटने का मन ही नही करता था। और अब लगता है कि धूप से बचने के रास्ते ढूंढ़ेंगे। वैसे सुना है कि पहाड़ों पर अभी बर्फ पड़ रही है। हो सकता है कि कुछ दिन ठंड और पड़ने लगे। धूप की जरूरत महसूस होने लगे। लेकिन बसंती हवा के साथ धीरे-धीरे हवा गरम होती जाएगी। मौसम चक्र भी अद्भुत है, कल तक जो चीजें अच्छी नहीं लगती थी, वे आज अच्छी लगने लगी है। सर्दी लग जाने के डर से जिस दूध, दही, छाछ से परहेज करते थे, अब वो अच्छा लगने लगेगा। गर्मी की दस्तक ऐसा ही करती है। पंखे की जरा सी हवा से थरथराते थे, अब पंखों की सफाई के बारे में सोचने लगे है। एसी की सर्विस भी करानी पड़ेगी। और गर्मी के दिनों में हम सर्दियों को याद करेंगे। मनुष्य का मन ऐसा ही है। जो कुछ उसके पास होता है, उससे इतर कुछ हमेशा चाहिए। गर्मी के

दिनों में बहुत से लोग पहाड़ों और ठंडे देशों की तरफ रुख करते है। लेकिन अफसोस कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते स्विट्जरलैंड जैसे ठंडे देश में गर्मी के दिनों में तापमान चालीस डिग्री तक चला जाता है। अपने ही देश में कई बार पहाड़ी स्थानों पर तापमान मैदानी इलाकों से ज्यादा हो जाता है। ऐसे में गर्मी से कोई निजात नही मिलती। कार्बन उत्सर्जन के कारण ऐसा हो रहा है। मगर शायद ही इस तरफ कोई ध्यान देता है।

पानी की बूंद-बूंद बचाने के लिए आखिर सरकारी अभियान क्यों चलाने पड़ें। हम स्वयं ही ऐसे प्रयास कर सकते हैं। इसी तरह पेड़ लगाओ अभियान सरकार क्यों चलाए

मौसमों का मिजाज बचाना है तो मनुष्य को अपनी तरकीबों और व्यापार करने की पध्दतियों में कुछ तो बदलाव करना होगा। जिन कार्य-व्यापारों से दुनिया के पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, उस तरफ ध्यान देना कितना जरूरी है, इसे सभी महसूस कर रहे है। धरती बचेगी तभी मनुष्य बचेंगे। फाल्गुन का आना यही बताता है कि यह धरती रंग-बिरंगी बनी रहे। इसी तरह पेड़-पौधे, फूल हमारा मन लुभाते रहें। हम पानी से होली खेलें, रंगों से, होली गाएं, नाचें, दुनिया भर की अच्छाइयों के बारे में सोचें। क्योंकि होली का संदेश ही आपस में मेल-मिलाप है। लेकिन किसी एक के करने से तो कुछ नही होगा। कहावत है न कि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता। इसलिए सबके सामूहिक प्रयास जरूरी है। पानी की बूंद-बूंद बचाने के लिए आखिर सरकारी अभियान क्यों चलाने पड़ें। हम स्वयं ही ऐसे प्रयास कर सकते है। इसी तरह पेड़ लगाओ अभियान सरकार क्यों चलाए। कई आदिवासी समाजों में यह प्रथा है कि अगर वे एक पेड़ काटते है, तो उसकी जगह दूसरा पेड़ लगाते है। दरअसल तो आदिवासी समाज हमसे अधिक पर्यावरण के प्रति जागरूक है। अकसर हम शहराती लोगों को यह गलतफहमी होती है कि ज्ञान का सारा ठेका हमारे ही पास है और हम ही उन्हें ज्ञान दे सकते है। बल्कि हमें उनसे सीखने की जरूरत है कि वे अपने जल, जंगल, जमीन की रक्षा कैसे करते है। आदिवासी स्थानों के टूरिज्म की जगह हमें उनसे सीखने की जरूरत है। वे हमारे असली शिक्षक हो सकते है। वे पर्यावरण के मामले में हमें सही तरह से शिक्षित कर सकते है। बसंती हवा का स्वागत क्या हम इस तरह से भी कर सकते है कि अगले साल यह हवा पहले से भी अधिक शुद्ध हो। और भी अच्छी लगे। हम, हमारे परिवार, हमारे समाज और दुनिया की रक्षा कर सके। यही असली आनंद है। ■

हीरोज को मुखियायिन की पछाड़ी

खरी खरी

■ मनीषा

टा इम मैगजीन में वूमन ऑफ द इअर 2024 में चुनी गयी लीना नायर भारतीय ही नहीं हैं, उन्होंने जिन्दगी का बड़ा हिस्सा यहां काटा भी है। जनवरी 2022 में जब वह ग्लोबल सीईओ ऑफ चैनल बनीं तो यह कारोबारी जगत के लिए चौंकाऊ खबर थी। फ्रांस का यह मशहूर लग्जरी फैशन हाउस अपने बेहतरीन प्रोडक्ट के लिए सारी दुनिया में धाक जमाये है। फैशन की दुनिया के लिए बाहरी नायर बिल्कुल अलग तरह की मुखियाइन साबित हुई। जिनमें कूट-कूट कर भरी करुणा, सहानुभूति, दयालुता ने चीजों बेहतरीन ढंग से शेप कर दिखाया। कहने को तो वह ग्रामीणांचल भारत में पली बढी। पर लीना अब लंदन में रहती हैं। वह जिस ठसक से कहती हैं कि यह दिखाने का वक्त आ चुका है कि सुपर हीरो लीडर हमारे पीछे हैं। मैं हमेशा से सामूहिकता पर विश्वास करती रही हूं। तमाम अन्य परिपेक्ष्य में, जब मैं मीटिंग में होती हूं। मैं टेबल के इर्दगिर्द की हर आवाज सुनना चाहती हूं, न कि प्रभुत्व वालों की। ये जोशीले शब्द हैं लेडीज पर्स के लग्जरी ब्रांड की सीईओ के, जो हजारों डॉलर्स के प्रोडक्ट चुटकियों में बेचती है। 54 साल की नायर ने अपने करियर में दिखाया है कि वह कर्मचारियों का भला सोचते हुए भी सफलता का चरम प्राप्त कर सकती है। उन्होंने प्रबंधन के आगे वह मिसाल कायम की है, जिससे सारी दुनिया के उन ऊंची कुर्सी पर बैठने वाले चुनिंदा लोगों खासकर पुरुषों को सीख लेनी चाहिए, जो बोर्ड रूमों में बैठकर अपने उत्पादों की मांग बढाने की जुगत कर रहे हैं। उपभोक्ता डब्बाबंद सामान की दिग्गज कंपनी युनिलीवर के साथ तीस साल बिताने और ह्यूमन रिसोर्स की मुखिया बन कर उन्होंने न सिर्फ झंडे गाड़े। बल्कि महिला मैनेजरों की संख्या 38% से 50% पहुंचा दी। जैसा कंपनियों में होता ही नहीं हैं। या यूं कह सकते है कि अमूमन कंपनियां इस तरह के अनोखे निर्णय करने से कतराती हैं। जिसका नतीजा है कि उच्च प्रबंधन में सारी दुनिया में औरतों का प्रतिशत बहुत कम है और अपने यहां तो टोटा ही समझें। उन्होंने औरतों को प्रबंधक ही नहीं बनाया, साथ ही कंपनियों को उनकी सामाजिक रूप से की जाने वाली जागरूक पहल के लिए विशेष पहचान भी दिलाई।

नायर ने वह मुकाम पाया है, जो दुनिया में सुंदर पिचई, पराग अगरवाल, सत्या नाडाल जैसे भारतीय पुरुषों के हिस्से गया। पुरुषों को कमान देने में पुरुष हिचकते नहीं हैं। परंतु किसी स्त्री को अपनी काबिलियत साबित करने के लिए जादुई नतीजे देने होते हैं, कम से कम कॉरपोरेट में। वह कोल्हापुर के ऐसे माहौल में जन्मी जहां औरतों के लिए पाबंदियां थीं, रूढियां थीं। टाइम मैगजीन से नायर कहती हैं- आपको किसी भी अन्य चीज की तरह इसे बिजनेस की प्राथमिकता में शामिल करना चाहिए। जिसका मतलब है, आपको टारगेट सेट करना है और लोगों को जिम्मेदार बनाना है। वे चैनल के प्रबंधन में 60% शामिल हैं। जो दुनिया को दिखाती है कि औरतें कमान हाथ में ले सकती हैं। सिर्फ चैनल के लोग ही नहीं, वह आम लोगों को तवज्जो देती हैं और कंपनी के फाउन्डेशन चैनल यानी कंपनियों की धर्मार्थ शाखा को भी सीईओ बनते ही 20 मिलियन डॉलर से सीधा सौ मिलियन डॉलर पहुंचा दिया। जो न सिर्फ चौंकाऊं आंकड़ा बना बल्कि दुनिया भर के कारोबारियों की नींदें उड़ाने वाला भी हो गया। उनकी मेहनत और दूरदर्शिता से उनकी कंपनी दुनिया की सबसे बड़ी लोकहितैषी कंपनियों की सूची में शामिल हो गयी, जो औरतों व लड़कियों के उत्थान के लिए दो-चार नहीं, बल्कि 57 देशों में काम करती है। हमारा भरोसा है, जब औरतें फलती-फूलती हैं तो दुनिया फलती-फूलती है- वह कहती है। परिवार की औरतें जब कोई खास मुकाम कायम करती हैं तो उनकी देखा-देखी नयी लड़कियां परंपराओं के खिलाफ जाकर आगे बढती हैं। नायर को देखकर उनके परिवार की अन्य लड़कियां भी उच्चतम शिक्षा ले रही हैं। वे टेक्नोलॉजी पढ रही हैं व इंजीयनिरिंग कर रही हैं। यह सच है कि हमारी पीढी के औरतों ने रूढियों को तोड़ने में खासी मशक्कत की है। चेन्नई की युनिलिवर फैक्ट्री में वह 1990 में अकेली महिला एक्जक्यूटिव थी। जो तमाम बन्धनों को तोड़ कर आगे बढ रही थी। जैसा कि दिग्गज भारतीय कंपनी इंफोसिस की लीडिंग लेडी सुधा मूर्ति विभिन्न इंटरव्यूज व भाषणों में बताती रहती हैं कि देश की सबसे बड़ी ऑटो मैन्यूफैक्चरर कंपनी टाटा इंजीयनिरिंग व टेल्को में उनकी पहली नौकरी थी। वहां मूर्ति पहली और अकेली औरत थीं। दफ्तरों में महिलाओं के लिए अतिरिक्त पेशाबघर भी नहीं होते थे। अब वह यह बात बड़ी तफ्तीश से तंज भरी मुस्कान के साथ बताती हैं। जैसा की ढेरों औरतें आज भी अपने यहां झेल रही हैं। वे जिन जगहों पर काम करने जाती हैं, वहां उनके लिए कोई सुविधा नहीं हैं। बल्कि उस सुविधा की कोई फिक्र भी नहीं करता। मैं बार-बार कहती हूं कि औरतों के संघर्ष बहुत छोटे भी हों तो बहुत बेढब होते हैं। सब नायर या मूर्ति नहीं बन पातीं। हालांकि वे आगे बढती हैं और साबित करती हैं कि पुरुषों के जंजाल में खुद को साबित करना टेढी खीर ही नहीं है, बल्कि कई दफा जोखिम भरा भी होता है।

यह सिर्फ संतोषजनक नहीं है कि ऐसी टीम के साथ काम करना, जिसमें लाखों औरतें हैं। बल्कि यह बुनियाद ही उन्होंने रखी है। दो बेटों की मां नायर ने विभिन्न साक्षात्कारों में कहा है- मैंने अपनी जिन्दगी का बड़ा हिस्सा यह सुनते हुए बिताया है कि मैं कुछ नहीं कर सकती क्योंकि मैं लड़की हूं। खासकर जीवन के 15, 20, 15 वर्ष की उम्र में जो भी नौकरी की, उसमें प्रथम रही। पहली औरत, पहली ब्राउन, पहली एशियाई और पहली भारतीय पर, मैं अंतिम नहीं हो सकती। वॉल स्ट्रीट जनरल से उन्होंने कहा कि वे कंपनी में जबरदस्त बदलाव लाना चाहती हैं, सीईओ बनने के बाद उनके पास अब बहुत इख्तियार हैं। 2022 में वह फोर्ब्स इंडिया की सेल्फमेड वूमन्स की लिस्ट में शीर्ष पर थीं। नायर ने जो लाइन खींची है, उससे बड़ी लाइन खींचना किसी पुरुष के लिए भी आसान नहीं हैं। उनके संघर्षो से बड़े हैं, उनके सपनें और उनकी उपलब्धियां। जो हर लड़की के लिए मील का पत्थर साबित होंगी। ■

दर्शन और प्रतीकवाद भरतनाट्यम में

भरतनाट्यम, इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिकता से परिपूर्ण शास्त्रीय भारतीय नृत्य शैली गहन कलात्मक अभिव्यक्ति है, जो मनोरंजन से परे है। दक्षिण भारत के मंदिरों में उत्पन्न यह प्राचीन नृत्य शैली कहानी कहने, लयबद्ध सटीकता और भावनात्मक संश्लेषण का प्रतीक है, जो इसे भारत की महत्वपूर्ण सांस्कृतिक विरासत बनाती है। भरतनाट्यम के आध्यात्मिक सार को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताया जा सकता। प्रारंभ में यह नृत्य मंदिरों में पवित्र अनुष्ठान के रूप में किया जाता था, यह नृत्य पूजा और भक्ति का माध्यम था, जो देवताओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त करता था। यह आध्यात्मिक आयाम मानव और परमात्मा के बीच संबंध को दर्शात है।

भरतनाट्यम के केंद्र में 'नवरसा' या नौ भावनाएँ प्रेम, हँसी, करुणा, क्रोध, साहस, भय, घृणा, आश्चर्य और शांति की अवधारणा है। इन भावनाओं को चेहरे के भावों और शारीरिक गतिविधियों की परिष्कृत भाषा के माध्यम से दर्शाया जाता है, जो नर्तक को पात्रों और कथाओं की विस्तृत श्रृंखला को चित्रित करने में सक्षम बनाता है, जो सनातन धर्म के पवित्र ग्रंथों से ली जाती है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों से देवी-देवताओं, नायकों और राक्षसों की कहानियों को नर्तक की कलात्मकता के माध्यम से जीवंत किया जाता है। भरतनाट्यम की विशेषताओं में से 'मुद्रा' या हाथ के इशारों, चेहरे के भाव और जटिल फुटवर्क है। हावभाव और स्थिति का विशिष्ट अर्थ होता है, जब चेहरे के भाव और शारीरिक गतिविधियों के साथ जोड़ा जाता है तो वे जटिल दृश्य भाषा बनाते है, जो कहानियां सुनाती है, पात्रों को चित्रित करती है और भावनाओं को व्यक्त करती है। नृत्य का यह पहलू दृश्य कविता के समान है, जहां प्रत्येक मुद्रा बड़ी कहानी का हिस्सा बताता है। यह नृत्य सिर्फ कला नही है; यह गहरी दार्शनिक अवधारणाओं का प्रतिबिंब है। यह वास्तविकता की प्रकृति, आत्मा की यात्रा और सृजन और विनाश के ब्रह्मांडीय नृत्य जैसे विषयों की पड़ताल करता है। विषयवस्तु सार्वभौमिक मानवीय अनुभव के साथ प्रतिध्वनित होती है, जो भरतनाट्यम को नृत्य शैली बनाती है, जो अपनी सांस्कृतिक उत्पत्ति से परे बात करती है।

भरतनाट्यम की विशेषता इसके समृद्ध अनुष्ठानिक और पारंपरिक पहलू भी हैं। ये पारंपरिक संरचनाएं केवल कलात्मक विकल्प नहीं हैं बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रतीक हैं।

भरतनाट्यम के लिए आवश्यक शारीरिक अनुशासन योग के बराबर है। नृत्य नियंत्रण, संतुलन, शक्ति और लचीलेपन की मांग करता है, इसे अक्सर गहन एकाग्रता और ऊर्जा प्रवाह की आवश्यकता के कारण ध्यान का रूप माना जाता है। यह पहलू शरीर की शारीरिक और आध्यात्मिक भलाई के साथ नृत्य के संबंध पर प्रकाश डालता है। भरतनाट्यम की विशेषता इसके समृद्ध अनुष्ठानिक और पारंपरिक पहलू भी है। ये पारंपरिक संरचनाएं केवल कलात्मक विकल्प नहीं है बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रतीक है। नर्तकियों द्वारा पहनी जाने वाली वेशभूषा और विस्तृत आभूषणों से बढ़ जाती है। ये तत्व केवल सजावटी नहीं है; वे चरित्र चित्रण और विषयगत अभिव्यक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। उदाहरण के लिए, माथे पर बिंदी (लाल बिंदी) श्रृंगार से कही अधिक है; यह आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि का प्रतीक है। भरतनाट्यम में संगीत और लय का परस्पर संबंध महत्वपूर्ण है। यह नृत्य आमतौर पर कर्नाटक संगीत पर आधारित होता है, जिसमें लय (ताल) और माधुर्य (राग) नृत्य की गतिविधियों के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े होते है। यह तालमेल प्रदर्शन में गहराई और भावना जोड़ता है, जिससे यह समग्र संवेदी अनुभव बन जाता है। यह बहुआयामी कला रूप है, जो दार्शनिक गहराई, सांस्कृतिक महत्व और प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति से समृद्ध है। यह आत्मा की भाषा है, जो संगीत, गति और अभिव्यक्ति के संगम से प्रेम, न्याय और मानवीय स्थिति के विषयों को संबोधित करती है। भरतनाट्यम वैश्विक दर्शकों के साथ जुड़ता है, जो भारतीय विरासत और आध्यात्मिकता की समृद्ध संस्कृति में नया पथ प्रदर्शित करता है।

■ हरिकृष्ण कल्याणसुंदरम

क्रिस्पी सोया बॉल्स

अनिता घोष

सामग्री-200 ग्राम सोया चंक, दो बड़े आकार के आलू, दो बड़े चम्मच कार्न फ्लोर, तीन चम्मच चिली फ्लेक्स, दो चम्मच अदरक लहसुन पेस्ट, नमक स्वादानुसार, धनिया पत्ता एक चम्मच बारीक कटा हुआ, एक प्याज छल्लो में कटा, तलने के लिए तेल।

विधि-सबसे पहले सोया को धो कर मिक्सी में चला लें। आलू को छीलकर धो लें और फिर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। मीडियम आंच पर कढ़ाही में आलू को उबलने दें। आलू को उबलते ही गैस बंद कर दें। सभी बॉयल आलू को प्लेट में निकाल कर रखें। सभी आलू को ठंडा होने लिए छोड़ दें। आलू ठंडा होने के बाद ही इसमें पीसा हुआ सोया, कार्न फ्लोर, चिली फ्लेक्स, अदरक लहसुन का पेस्ट और नमक मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। मीडियम आंच पर पैन में तेल गरम करने क लिए रखें। तेल गरम होते ही आलू और सोया के मिश्रण से छोटे-छोटे बॉल्स बना दें फिर पैन में डालकर सुनहरा होने तक तल लें। इस तरह सभी सोया बॉल्स तल लें। तैयार हो गया क्रिस्पी सोया बॉल्स। बॉल्स को उपर से धनिया पत्ता और प्याज के छल्लें से डेकोरेट करें। हरी चटनी या सॉस के साथ परोसें।

टोफू पुलाव

सामग्री-500 ग्राम बासमती चावल, दही एक कप, 200 ग्राम टोफू, प्याज 100 ग्राम तला हुआ, दूध एक कप, देसी घी 100 ग्राम, साबुत बड़ी इलायची 2-3, एक चम्मच गरम मसाला पाउडर, नमक स्वादानुसार, तेजपत्ता 2 , दालचीनी टुकड़ा एक इंच, छोटी इलायची 4-5, लौंग 4-5, एक चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर एक चम्मच, हल्दी एक छोटा चम्मच, एक चम्मच जीरा पाउडर, एक चम्मच धनिया पाउडर, सौंफ एक चौथाई छोटा चम्मच, नींबू का रस एक छोटा चम्मच, हरी धनिया कटी हुई एक कप।

विधि-एक मीडियम साइज के भगोने में पानी डालकर गरम करने के लिए रखें। जब पानी उबलने लगे तो उसमें चावल धो कर डाल दें। अब उसमें लौंग, दालचीनी, सौफ, बड़ी इलायची, छोटी इलायची, थोड़ा सा धनिया पत्ता स्वादानुसार नमक डाल दें। थोड़े देर तक चावल को पकने दें। अब एक कढ़ाही में घी डाल कर उसमें तला हुआ प्याज, अदरक लहसुन पेस्ट, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर, नमक, मिर्च पाउडर, गरम मसाला पाउडर, नींबू का रस, दही , हरी धनिया डालें और थोड़ी देर चलाने के बाद पकने दें। अब चावल अधपका हो गया होगा। चावल के बर्तन को गैस से उतार कर पसार दें। कढ़ाही में पक रहे मसालों में कटा हुआ टोफू डाल दें और सारे मसालों को थोड़े देर के लिए चलाएं। इसके बाद अधपके चावल के उपर दूध डाल दें। इसके बाद कढ़ाही को ढंक दें और हल्की आंच पर 5-6 मिनट तक पकाएं। 5-6 मिनट तक पकने के बाद कढ़ाई को खोलें और कलछी से चलाते रहें। तैयार हो गया टोफू पुलाव ।

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(28 फरवरी-5 मार्च)

मेष (21मार्च -20अप्रैल)- जहां भी जायेंगे, प्रशंसा एवं प्यार मिलेगा। नौकरीपेशा अच्छा करेंगे और धीमे और स्थिर रहेंगे। जीवन साथी के साथ अच्छे रिश्ते का आनंद लेंगे। विवाह का योग बन रहा है। सामाजिक सम्बन्ध मजबूत होंगे। नौकरी के नए अवसर मिलेंगे। प्रॉपर्टी भी खरीद सकते है। कार्यस्थल पर स्थिरता और काम के प्रति लगन को देखते हुए प्रमोशन और इंक्रीमेंट भी मिल सकता है।

वृषभ (21अप्रैल - 21मई)- क्षमता दिखाने के लिए कई अवसर मिलेंगे। कड़ी मेहनत, ईमानदारी पर निश्चित रूप से ध्यान दिया जायेगा। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए रणनीति तैयार करें। दूसरों से समर्थन लें। ऑफिस की राजनीति से दूर रहें। ऊर्जा को काम पर केंद्रित करें। परिवार बहुत सहयोगी होगा। स्वास्थ्य की उपेक्षा न करें। आर्थिक निवेश के प्रति सावधान रहें।

मिथुन (22मई - 21जून)- स्वाभाव में उग्रता रहेगी और उदास महसूस करेंगे। समायोजन लगभग हर स्तर पर आवश्यक है। धैर्य रखना होगा और फिजूलखर्चो से बचें। जीवन साथी अथवा साझेदार से मनमुटाव हो सकता है। दृष्टिकोण व्यवहारिक बनने की कोशिश करें। रुके हुए कार्य पूर्ण होने में थोड़ा वक्त लग सकता है। योग अथवा व्यायाम अपनाएं।

कर्क (22जून - 22जुलाई)- घर में संतुष्ट महसूस करने की सम्भावना है। सपनों का व्यक्ति बहुत जल्द मिल सकता है। यात्रा का भी योग बन रहा है। विलम्ब केवल पेशेवर लक्ष्यों से दूर ले जा सकता है। परिणाम सुधरने के लिए काम को सुव्यवस्थित करें। जल्दबाजी में कोई भी निवेश करने से बचें। अस्वास्थ्यकर भोजन और देर रात को खाने से बचें।

सिंह (23जुलाई -21अगस्त)- व्यक्तिगत जीवन में प्रगति दिखाने के साथ-साथ आध्यात्मिक रूप से भी प्रगति दिखायेगा। भौतिक सुखों को प्राप्त करने की इच्छाएं पूरी होंगी। हर काम में प्रगति देखने के साथ साथ संयम की हर कदम पर परीक्षा होगी। किसी भी छोटी बात से जल्दी हार ना मानें। महिलाओं पर जिम्मेदारिओं का बोझ बढ़ सकता है। आर्थिक निवेश के लिए समय उपयुक्त है।

कन्या (22अगस्त -23सितम्बर)- प्रियजनों के साथ भावनाओं को साझा करें और यदि परिवार के सदस्यों के बीच गलतफहमी है तो दूर करने का प्रयास करें। विचारों को सकारात्मक रखें और करियर को लेकर असमंजस्य में ना रहें। कोर्ट कचहरी से जुड़े मामलों में सफलता मिलने का योग है। घर अथवा वाहन खरीदने का योग बन रहा है। कोई भी निर्णय लेने से पहले विचार अवश्य करें।

तुला (24 सितम्बर -23अक्टूबर)- कुछ नए अवसर मिलेंगे। विवाह के लिए समय अनुकूल है। विवाह की बात चल सकती है। पारिवारिक सुख बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति प्राप्त होगी। विदेश से सम्बंधित कार्य सफल होंगे। रुके हुए काम बनेंगे। विद्यार्थी वर्ग के लिए शुभ रहेगा। वित्त आगे नही बढ़ रहा हो लेकिन जल्दी ही कुछ बेहतर होने की उम्मीद है।

वृश्चिक (24अक्टूबर -22नवम्बर)- घर या बहार कही भी लापरवाही नही बरतनी चाहिए अन्यथा काम बिगड़ सकता है। समय पर काम पूरा करने का तनाव बना रहेगा। काम के साथ सेहत का भी ख्याल रखना होगा। धन निवेश करते समय सलाह अवश्य लें। खर्च पर नियंत्रण रखें बाद में आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पद सकता है।

धनु (23नवम्बर -22दिसम्बर)- कार्यक्षेत्र में छोटे-मोटे उतार-चढ़ाव लगे रहेंगे। सहकर्मियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्वस्थ सम्बन्ध रखें। कार्य पर ध्यान केंद्रित करें। व्यवसाय से सम्बंधित कोई भी निर्णय लेते समय भावनाओं को शामिल न करें। परिवार आवश्यक होगा और उनके प्रति बहुत सुरक्षात्मक होंगे। भावनाओं और विचारों को सीमित ना रखें। राय खुलकर रखें। प्रियजनों या पारिवारिक जिम्मेदारियों की देखभाल करने के लिए खुद को नजर अंदाज ना करें।

मकर (23दिसम्बर -20जनवरी)- काम का बोझ बढ़ा रहेगा। घरेलू तनाव बढ़ सकता है। प्रेम संबंधों में खटास आ सकती है। व्यर्थ के वाद विवाद से बचे। खर्चे के प्रति सावधान रहें। क्रोध पर अंकुश रखें । सेहत के प्रति लापरवाही न करे। पति पत्नी साथ समय बिताने की कोशिश करें, बिखर चुकी चीजों को संगठित करने में ऊर्जा लगाएं।

कुम्भ (21जनवरी -19फरवरी) - सामाजिक और पेशेवर दायरे में सुर्खियों में बने रह सकते है। किसी भी बदलाव का पेशेवर जीवन पर स्थायी और सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। व्यवसाय विस्तार की योजना बना सकते है और उससे पूर्ण करने का प्रयास कर सकते है। परिवार के सदस्यों के साथ समय निकालें और कुछ मनोरंजक गतिविधियों में शामिल हों। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें।

मीन (29 फरवरी -20मार्च)- व्यक्तिगत जीवन में प्रगति दिखाने के साथ-साथ आध्यात्मिक स्वरूप से भी प्रगति दिखायेगा। भौतिक सुखों को प्राप्त करने की इच्छाएं पूरी होंगी। हर काम में प्रगति देखने के साथ साथ संयम की हर कदम पर परीक्षा होगी। किसी भी छोटी बात से जल्दी हार ना मानें। महिलाओं पर जिम्मेदारिओं का बोझ बढ़ सकता है। आर्थिक निवेश के लिए समय उपयुक्त है। ■

संक्षिप्त खबरें

एनटीपीसी के नए निदेशक

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लि. ने सोमवार को कहा कि रवीन्द्र कुमार कंपनी के निदेशक (परिचालन) का पदभार तत्काल प्रभाव से संभाल लिया है। कंपनी ने बयान में कि इससे पहले वह एनटीपीसी लि. के निदेशक (परिचालन) के विशेष कार्याधिकारी थे। कुमार 1989 में स्नातक इंजीनियर प्रशिक्षु अधिकारी के रूप में एनटीपीसी से जुड़े। उनके पास परियोजना को चालू करने, परिचालन और रखरखाव, इंजीनियरिंग तथा परियोजना प्रबंधन में 34 साल से अधिक का अनुभव है।

जेएसडब्ल्यू को सौर प्रोजेक्ट

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी को सार्वजनिक क्षेत्र की एसजेवीएन लिमिटेड से 700 मेगावाट की सौर परियोजना मिली है। जेएसडब्ल्यू ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस परियोजना को इसकी अनुषंगी कंपनी जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी लिमिटेड (जेएसडब्ल्यू नियो) द्वारा 1,500 मेगावाट (अंतरराज्यीय पारेषण तंत्र) आईएसटीएस-संबद्ध सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए आमंत्रित टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली में हासिल किया गया है।

जायडस की पुनर्खरीद पेशकश

नई दिल्ली। जायडस लाइफसाइंसेज की 1,005 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 600 करोड़ रुपये में 59.7 लाख शेयर पुनर्खरीद की पेशकश 29 फरवरी को खुलेगी। जायडस लाइफसाइंसेज ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि शेयर पुनर्खरीद पेशकश छह मार्च, 2024 को बंद हो जाएगी। कंपनी ने कहा कि उसने 1,005 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 59,70,149 शेयरों की पुनर्खरीद का प्रस्ताव रखा है।

त्रिपुरा में कर संग्रह बढ़ा

अगरतला। त्रिपुरा में पिछले एक साल में कुल कर संग्रह में काफी वृद्धि हुई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में जनवरी तक 2022-23 वित्त वर्ष में 2014.32 करोड़ रुपये से 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जीएसटी संग्रह वित्त वर्ष 2023-24 में समीक्षाधीन माह तक 3,302.58 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त सचिव अपूर्व कुमार राय ने संवाददाताओं से कहा कि इस अवधि के दौरान राज्य उत्पाद शुल्क का संग्रह 298.08 करोड़ रुपये से 10 प्रतिशत बढ़कर 327.90 करोड़ रुपये हो गया है।

गोयल को अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की एनएचपीसी के निदेशक (वित्त) राजेन्द्र प्रसाद गोयल एक मार्च से कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार संभालेंगे। उल्लेखनीय है कि 31 अगस्त, 2022 को अभय कुमार सिंह की सेवानिवृत्ति के बाद से जल विद्युत कंपनी में कोई पूर्णकालिक चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नहीं है। एनएचपीसी ने मंगलवार को शेयर बाजार को यह जानकारी दी।

रुपया एक पैसे फिसला

मुंबई। मासांत की डॉलर मांग और विदेशी कोषों की निकासी के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया एक पैसे की गिरावट के साथ 82.89 (अस्थायी) प्रति डालर पर रहा। विदेशी मुद्रा विश्लेषकों के अनुसार, शेयर बाजार में मजबूती और कमजोर डालर के कारण भारतीय मुद्रा की गिरावट सीमित रही। हालांकि, निवेशकों की निगाह इस सप्ताह जारी होने वाले घरेलू और वैश्विक व्यापक आर्थिक आंकड़ों पर है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.87 प्रति डॉलर पर मजबूत खुला। दिन के कारोबार में यह 82.90 प्रति डॉलर के निचले स्तर तक गया। अंत में यह एक पैसे गिरकर 82.89 प्रति डालर पर रहा।

'विकसित भारत' बनने के लिए सभी चीजें सही तरीके से बढ़ रहीं आगे

■ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, भारत की गाथा के फलने-फूलने के लिए ठीक-ठाक तरीके से सभी कुछ बढ़ रहा आगे

नई दिल्ली (भाषा)।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि 'भारत की गाथा' के आगे बढ़ने और देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने को लेकर सब कुछ ठीक-ठाक आगे बढ़ रहा है।

गोयल ने उद्योग मंडल फिक्की के 'विकसित भारत 2047: विकसित भारत और उद्योग' विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार स्वयं आगे बढ़कर काम कर रही है और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए उद्योग सहित सभी को योगदान देने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, 'देश भर में जो माहौल है, हमारे युवा पुरुषों और महिलाओं में उत्साह है, भविष्य को लेकर जो उत्साह है, यहां तक कि भारत के सुदूर क्षेत्रों से भी मुझे जो प्रतिक्रिया मिल रही है, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति के मामले में जो प्रतिक्रिया मिल रही है, उसे देखकर मेरे मन में बिल्कुल भी संदेह नहीं है। ऐसा लगता है कि भारत की गाथा के फलने-फूलने के लिए सब कुछ ठीक-ठाक आगे बढ़ रहा है।' उन्होंने कहा कि विदेशी निवेश के लिए भारत पसंदीदा स्थान बन गया है। गोयल ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने देश के सामने 2047 तक विस्तृत भारत का जो दृष्टिकोण रखा है, वह स्पष्ट रूप से हासिल होने लायक है। पूरा देश इस बात के लिए तैयार है कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र और 30,000 अरब डालर की अर्थव्यवस्था बने।' उन्होंने कहा कि भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है। इसके लिए सरकार चीजों को सुगम बनाने की भूमिका निभा रही है। चाहे वह कारोबार में सुगमता हो, न्याय में आसानी हो, लॉजिस्टिक में आसानी हो, रहन-सहन सुगम हो, इनके लिए हरसंभव कदम उठाये जा रहे है।

मंत्री ने कहा कि ये सभी प्रयास भारत को तेजी से बढ़ने और विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति करने में मदद करने के लिए अनुकूल परिवेश बनाने में मदद कर रहे है। उन्होंने 2024-25 के बजट में पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार स्वयं आगे बढ़कर काम कर रही है।

पुरुलिया में श्याम स्टील के संयंत्र का उद्घाटन

कोलकाता (भाषा)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को पुरुलिया जिले में श्याम स्टील के 1,500 करोड़ रु पये के एकीकृत संयंत्र का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये उद्घाटन किया।

यह राज्य में कंपनी की चौथी इकाई है। कंपनी के तीन अन्य संयंत्र दुर्गापुर और बांकुरा में स्थित है। श्याम स्टील के निदेशक ललित बेरीवाला ने कहा कि रघुनाथपुर में 600 एकड़ क्षेत्र में फैले नए इस्पात संयंत्र की क्षमता 11.9 लाख टन होगी।

उन्होंने कहा कि विस्तार से कंपनी की एकीकृत क्षमता 40.3 लाख टन सालाना की हो जाएगी। 6000 करोड़ रु पये के मौजूदा कारोबार के साथ श्याम स्टील का लक्ष्य इस्पात उद्योग में स्थिति मजबूत करना है।

रिलायंस कैपिटल के लिए समाधान योजना मंजूर

मुंबई (भाषा)।

राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने मंगलवार को हिंदुजा समूह की कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स की रिलायंस कैपिटल के लिए 9,650 करोड़ रुपये की समाधान योजना को मंजूरी दे दी।

एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने कर्ज के बोझ से दबी कंपनी के लिए बोली के दूसरे दौर में जून 2023 में मंजूरी दे दी। इस मामले में विस्तृत आदेश आज दिन में आने की संभावना है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नवम्बर 2021 में अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनी द्वारा प्रशासनिक मुद्दों और भुगतान चूक पर रिलायंस कैपिटल के निदेशक मंडल को हटा दिया था। केंद्रीय बैंक ने नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त किया था, जिन्होंने कंपनी का अधिग्रहण करने के लिए फरवरी 2022 में बोलियां आमंत्रित की थी।

रिलायंस कैपिटल पर 40,000 करोड़ रु पये से अधिक का कर्ज था और चार आवेदकों ने शुरू में समाधान योजनाओं के साथ बोली लगाई थी। हालांकि, लेनदारों की समिति ने कम बोली मूल्यों के लिए सभी चार योजनाओं को खारिज कर दिया और एक चुनौती तंत्र शुरू किया गया जिसमें आईआईएचएल और टोरेंट इन्वेस्टमेंट्स ने भाग लिया।

हिंदुजा समूह की कंपनी को पिछले साल जून में समिति द्वारा 9,661 करोड़ रु पये की अग्रिम नकद बोली के लिए चुना गया था। रिलायंस कैपिटल का अतिरिक्त 500 करोड़ रुपये का नकद शेष भी ऋणदाताओं के पास जाएगा।

आईआईएचएल (इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड) द्वारा प्रस्तुत योजना को

स्कोडा एक साल में उतारेगी कॉम्पैक्ट एसयूवी

मुंबई (भाषा)।

वाहन विनिर्माता कंपनी स्कोडा आटो के वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) क्लॉस जेलमर ने मंगलवार को कहा कि कंपनी के लिए भारत सबसे आशाजनक वृद्धि वाला बाजार है और यह स्कोडा के अंतरराष्ट्रीय विस्तार में अहम भूमिका निभाएगा।

चेक कंपनी के प्रमुख जेलमर ने एक ऑनलाइन संबोधन में भारत के लिए कंपनी की रूपरेखा का जिक्र करते हुए कहा कि स्कोडा एक साल के भीतर भारत में कॉम्पैक्ट एसयूवी खंड में कदम रखेगी और बाजार में अपना इलेक्ट्रिक वाहन भी लेकर आएगी। उन्होंने कहा, 'हम वैश्विक बाजारों के अनुरूप तत्काल कदम उठाने की अपनी क्षमता लगातार बढ़ा रहे है। यहां पर भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यूरोप एक मुख्य बाजार के रूप में अहम है लेकिन हमारा रणनीतिक ध्यान एक नई अंतरराष्ट्रीय बुनियाद तैयार करने पर है ताकि हम दो मजबूत पैरों पर खड़े हो सकें।'

इसके अलावा जेलमर ने कहा, 'भारत हमारी वैश्विक वृद्धि में एक महत्वपूर्ण योगदान देने वाला देश और आने वाले वर्षों के लिए सबसे आशाजनक वृद्धि का बाजार है।' स्कोडा ऑटो इंडिया वर्ष 2030 तक भारतीय बाजार में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाकर पांच प्रतिशत तक ले जाना चाहती है।

विकसित भारत में अहम होगी उद्योगों की भूमिका

■ आने वाली पीढ़ियों को बेहतर भारत देने से ही हम बनेंगे विकसित राष्ट्र

नई दिल्ली (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को भरोसा जताया कि भारतीय उद्योग जगत आजादी की 100वीं वर्षगांठ पर 2047 तक देश को एक विकसित राष्ट्र या 'विकसित भारत' बनाने के उद्देश्य से देश के विकासात्मक लक्ष्यों के साथ खुद को जोड़ लेगा। सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर भारत प्रदान करने के लिए 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करना है।

उद्योग निकाय फिक्की द्वारा आयोजित 'विकसित भारत2047: विकसित भारत और उद्योग' पर एक सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में उद्योग जगत की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

सीतारमण ने कहा, ''स्वतंत्रता संग्राम के दौरान आप भारत के साथ थे, आपने औपनिवेशिक दबाव के बावजूद उद्योग और क्षमता का निर्माण किया। इसलिए भारतीय उद्योग ने हमेशा उस भावना को बनाए रखा है और बाधाओं के बावजूद राष्ट्रीय हित में आगे बढ़ता रहा।' उन्होंने कहा, 'मै नहीं समझ पा रही हूं कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के इस खेल में उन्हें कैसे छोड़ा जाएगा। इसलिए भारत के उद्योग के लिए यह स्वाभाविक होना चाहिए कि वह खुद को भारत के विकासात्मक हितों के साथ जोड़ ले, और आखिरकार उद्योग ही पहला योगदानकर्ता और प्रथम लाभार्थी होगा।'

वित्त मंत्री ने उद्योग जगत को यह आश्वासन भी दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल में भी सुधार जारी रहेंगे। अप्रैल-मई में होने वाले आम चुनाव के बाद नई सरकार का गठन होगा। उन्होंने कहा कि भारत पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। पिछले 10 साल के दौरान सरकार द्वारा कई सुधार किए गए है और यह सिलसिला जारी रहेगा।

बिल्डरों ने दिल्ली-एनसीआर में खरीदी 415 एकड़ जमीन

नई दिल्ली (भाषा)।

बढ़ती मांग के बीच रियल एस्टेट डेवलपर्स ने आवासीय और वाणिज्यिक परियोजनाओं के निर्माण के लिए पिछले साल दिल्ली-एनसीआर में लगभग 9,120 करोड़ रुपये में 415 एकड़ जमीन खरीदी है। जेएलएल ने यह जानकारी दी है।

मंगलवार को एक बयान में, रियल एस्टेट सलाहकार जेएलएल इंडिया ने कहा, 'भूमि सौदों की संख्या और क्षेत्रफल दोनों के मामले में दिल्ली-एनसीआर अग्रणी है, 36 अलग-अलग लेनदेन में लगभग 9,120 करोड़ रुपये मूल्य की 415 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया है। इस 415 एकड़ में से, लगभग 264 एकड़ (64 प्रतिशत) जिसका मूल्य 5,300 करोड़ रुपये से अधिक है, का अधिग्रहण गुरु ग्राम में किया गया।

इसके बाद नोएडा का स्थान रहा, जहां 59 एकड़ (14 प्रतिशत) से अधिक भूमि 1,775 करोड़ रुपये में अधिग्रहीत की गई। दिल्ली, फ़रीदाबाद और सोनीपत ने बाकी योगदान दिया। बेंगलुरु में पिछले साल करीब 305 एकड़ जमीन का अधिग्रहण हुआ, जिसकी कीमत 3,412 करोड़ रु पये थी।

मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) - जो देश का सबसे महंगा रियल एस्टेट बाजार है - में 289 एकड़ में फैले 24 अलग-अलग भूमि सौदे हुए, जिनकी कीमत 11,222 करोड़ रु पये थी। चेन्नई में, आठ अलग-अलग सौदों में 1,220 करोड़ रु पये में 209 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया।

नागपुर, लुधियाना, अहमदाबाद और अयोध्या जैसे अन्य शहरों में प्रमुख डेवलपर्स ने भूमि अधिग्रहण का अनुभव किया। लगभग 320 एकड़ भूमि के लेन-देन के साथ दूसरी और तीसरी क्षेणी के शहरों में अधिग्रहीत क्षेत्र के मामले में लुधियाना सबसे आगे है।

टाकेडा ने डेंगू का टीका बनाने को बायोलॉजिकल ई के साथ समझौता किया

नई दिल्ली (भाषा)।

जापान की दवा कंपनी टाकेडा ने डेंगू का टीका बनाने के लिए हैदराबाद की कंपनी बायोलॉजिकल ई लिमिटेड के साथ समझौता किया है।

कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि यह साझेदारी डेंगू बुखार के वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह साझेदारी 2030 तक डेंगू से शून्य मामले-मृत्यु दर प्राप्त करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित रोग-विशिष्ट लक्ष्य के अनुरूप है। कंपनी ने कहा कि यह साझेदारी टीके की स्थायी वैश्विक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विनिर्माण क्षमताओं को काफी हद तक बढ़ाएगी।

बयान के अनुसार, बायोलॉजिकल ई अपनी उत्पादन क्षमता को संभावित रूप से सालाना पांच करोड़ खुराक तक पहुंचाएगी। इससे एक दशक के भीतर सालाना 10 करोड़ खुराक बनाने के टेकेडा के प्रयासों में तेजी आएगी। टाकेडा के वैश्विक टीका कारोबार के अध्यक्ष गैरी डुबिन ने बयान में कहा, 'हमें बायोलॉजिकल ई लिमिटेड के साथ एक रणनीतिक विनिर्माण साझेदारी की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। बायोलॉजिकल ई के पास वैक्सीन निर्माण में गहरी विशेषज्ञता है और दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों का दीर्घकालिक समर्थन है।'

शेयर बाजारों में लौटी तेजी

मुंबई (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 305 अंक की बढ़त में रहा। वैश्विक बाजारों में कमोबेश मजबूत रुख के बीच सूचकांक में अच्छी हिस्सेदारी रखने वाली टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), टाटा मोटर्स और सन फार्मा में लिवाली से बाजार लाभ में रहा।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 305.09 यानी 0.42 प्रतिशत बढ़कर 73,095.22 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के पहले सत्र में उतार-चढ़ाव देखने को मिला लेकिन सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले शेयरों में तेजी से बाजार लाभ के साथ बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 371.17 अंक तक चढ़ गया था। पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 76.30 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढ़कर 22,198.35 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स, टीसीएस, इंडसइंड बैंक, पावरग्रिड, भारती एयरटेल, सन फार्मा, जेएसडब्ल्यू स्टील और टाटा स्टील प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और एनटीपीसी शामिल है। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख रहा। अमेरिकी बाजार सोमवार को मामूली नुकसान में रहा।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'इजरायल-हमास युद्ध में संघर्ष विराम की उम्मीद और कच्चे तेल के दामों में नरमी से धारणा को समर्थन मिला।' शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को शुद्ध रूप से 285.15 करोड़ मूल्य के शेयर बेचे। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82.66 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया। सेंसेक्स सोमवार को 352.67 अंक टूटा था, जबकि निफ्टी 90.65 अंक नुकसान में रहा था।

बांड के जरिए 41 करोड़ जुटाएगी अडाणी ग्रीन

नई दिल्ली (भाषा)।

गौतम अडाणी की अगुवाई वाले समूह की नवीकरणीय ऊर्जा इकाई अडाणी ग्रीन एनर्जी लि. ने अमेरिकी डॉलर मूल्य में बॉन्ड जारी कर 40.9 करोड़ डॉलर जुटाने की योजना बनायी है। इस राशि का उपयोग इस साल पूरे हो रहे कर्ज लौटाने में किया जाएगा।

■ कर्ज चुकाने में किया जाएगा जुटाई गई धनराशि का इस्तेमाल

कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बॉन्ड की कुल मियाद 18 साल होगी। इसमें कहा गया है कि इस आय का उपयोग 2024 में 50 करोड़ डॉलर के 6.25 प्रतिशत पर जारी बॉन्ड को भुनाने के लिए किया जाएगा। ये नोट 10 जून, 2019 को जारी किये गये थे। एजीईएल की इकाई, अडाणी ग्रीन एनर्जी ट्वेंटी-थ्री लिमिटेड की तीन अनुषंगी कंपनियां बॉन्ड सह-जारीकर्ता है।

अडाणी ग्रीन के पास परिचालन और निर्माणधीन 20,844 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाएं है।

चांदी 400 रुपये टूटी

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमत 62,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। हालांकि, चांदी का भाव 400 रुपये की गिरावट के साथ 74,200 रु पये प्रति किलोग्राम रह गया। बीते कारोबारी सत्र में यह 74,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ जिंस विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, 'दिल्ली के बाजारों में सोना (24 कैरेट) 62,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के हाजिर भाव पर अपरिवर्तित रुख के साथ कारोबार कर रहा है।' अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स में सोना हाजिर मजबूती के साथ 2,034 डॉलर प्रति औस पर कारोबार कर रहा था, जबकि पिछले कारोबार में यह 2,031 डालर था।

कर्ज और इक्विटी से 45000 करोड़ जुटाएगी वीआई

नई दिल्ली (भाषा)।

दूरसंचार सेवा प्रदाता वोडाफोन आइडिया के निदेशक मंडल ने इक्विटी और इक्विटी से जुड़े साधनों के जरिये 20,000 करोड़ रुपये तक का कोष जुटाने की मंगलवार को मंजूरी दे दी जिसमें कंपनी के प्रवर्तक भी शामिल होंगे।

इसके साथ ही वोडाफोन आइडिया ने कहा कि इक्विटी और ऋण के मिश्रण के जरिये लगभग 45,000 करोड़ रुपये का कोष जुटाने की योजना बनाई गई है।

गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रही कंपनी इस समय अपना वजूद बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। इसपर करीब 2.1 लाख करोड़ रुपये का भारी कर्ज है और ग्राहकों की संख्या में लगातार आ रही गिरावट के बीच इसे तिमाही घाटा भी उठाना पड़ रहा है।

दूरसंचार कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने इक्विटी और/या इक्विटी से जुड़े माध्यमों के मिश्रण से 20,000 करोड़ रु पये तक का कोष जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके लिए प्रबंधन को बैंकरों एवं सलाहकारों को नियुक्त करने के लिए भी अधिकृत किया गया है।

कंपनी इस प्रस्ताव पर दो अप्रैल को अपने शेयरधारकों की बैठक में मंजूरी लेगी। उसे आने वाली तिमाही में इक्विटी कोष जुटाने की प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है। इक्विटी वृद्धि की प्रक्रिया में प्रवर्तक भी भाग लेंगे।

कंपनी ने कहा कि इक्विटी कोष जुटाने के बाद वह अपने ऋणदाताओं के साथ मिलकर सक्रिय रूप से कर्ज वित्तपोषण के लिए काम करेगी। इक्विटी और ऋण के संयोजन से कंपनी लगभग 45,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है।

वोडाफोन आइडिया ने कहा कि उसका बैंक कर्ज इस समय 4,500 करोड़ रुपये से कम है। बयान के मुताबिक, 'इक्विटी और ऋण कोष जुटाने के बाद कंपनी 4जी कवरेज, 5जी नेटवर्क शुरुआत और क्षमता विस्तार के लिए निवेश करने में सक्षम होगी। इससे कंपनी अपनी प्रतिस्पर्द्धी स्थिति सुधारने और बेहतर ग्राहक अनुभव देने में सक्षम हो सकेगी।'

वोडाफोन आइडिया ने कहा कि सीमित निवेश के साथ भी प्रदर्शन में लगातार सुधार दिखा है। प्रस्तावित कोष जुटाने और सकारात्मक परिचालन विकास के साथ कंपनी बाजार में प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने के लिए आश्वस्त है।'

पिछले साल सांविधिक बकाया राजस्व पर देय ब्याज को हिस्सेदारी में बदलने के बाद कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 33.1 प्रतिशत हो गई है।

रणजी में बड़ौदा के खिलाफ 10वें और 11वें नंबर के बल्लेबाज ने लगाया शतक

मुंबई ने 78 साल पुराने इतिहास को दोहराया

● मुंबई

मुंबई । रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मैच में मुंबई ने बड़ौदा के खिलाफ 78 साल पुराना इतिहास दोहराया है। मुंबई के खिलाड़ी तनुष कोटियान और तुषार देशपांडे ने रणजी ट्रॉफी में इतिहास रच दिया। दोनों ने बड़ौदा के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में शतक लगाया। खास बात है यह कि तनुष ने 10वें और तुषार ने 11वें नंबर बल्लेबाजी करते हुए सैकड़ा लगाया। रणजी ट्रॉफी में पहली बार ऐसा हुआ है।

मुंबई और बड़ौदा के बीच यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। मुंबई को पहली पारी में 36 रन की बढ़त मिली। इस आधार पर उसने सेमीफाइनल में जगह बना ली। 1946 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब 10वें और 11वें नंबर के बल्लेबाज ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शतक लगाया है। पिछली बार चंदू सरवटे और शुते बनर्जी की जोड़ी ने ऐसा किया था। सरवटे और बनर्जी ने 1946 में ओवल के मैदान पर सरे बनाम इंडियंस मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी। कोटियान और देशपांडे की साझेदारी भी केवल तीसरी बार है जब किसी भारतीय जोड़ी ने आखिरी विकेट के लिए 200 से अधिक की साझेदारी की है। देशपांडे नंबर 11 पर बल्लेबाजी करते हुए प्रथम श्रेणी शतक बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज भी बने। उन्होंने 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक स्कोर करने का भी भारतीय रिकॉर्ड बनाया। उनसे पहले शुते बनर्जी ने 121 रन की पारी खेली थी। मुंबई ने पहली पारी में 384 रन बनाए थे। वहीं, बड़ौदा ने 348 रन बनाए। इस तरह मुंबई की टीम को 36 रन की बढ़त मिली। दूसरी पारी में उसने तनुष और तुषार के शतक की बदौलत 569 रन बनाए। बड़ौदा को जीत के लिए 606 रन का लक्ष्य मिला। उसने दूसरी पारी में तीन विकेट पर 121 रन बनाए और मैच पांचवें दिन ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

तनुष और तुषार ने की अंतिम विकेट के लिए 232 रन की साझेदारी

मुंबई के 337 रन पर नौ विकेट गिर गए थे। यहां से तनुष और तुषार ने पारी को संभाला और बड़ौदा के गेंदबाजों को हैरान कर दिया। दोनों ने 10वें विकेट के लिए 232 रन की साझेदारी की। तनुष कोटियान ने 115 गेंद पर नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। वह 129 गेंद पर 120 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने कुल 10 चौके और चार छक्के लगाए। तुषार देशपांडे ने 112 गेंदों पर शतक पूरा किया। वह 129 गेंद पर 123 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 10 चौके और आठ छक्के लगाए। दोनों बल्लेबाजों ने प्रथम श्रेणी में अपना पहला शतक लगाया।

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अंतिम विकेट के लिए तीसरी बड़ी साझेदारी

तनुष और तुषार ने 10वें विकेट के लिए 232 रन की साझेदारी। इस क्रम पर भारत के लिए प्रथम श्रेणी में यह तीसरी बड़ी साझेदारी है। चंदू सरवटे और शुते बनर्जी ने सरे के खिलाफ 249 रन जोड़े थे। दिल्ली के लिए अजय शर्मा और मनिंदर सिंह ने 1991-92 में मुंबई के खिलाफ 233 रन की साझेदारी की थी। अजय शर्मा ने नाबाद 259 और मनिंदर ने 78 रन बनाए थे। उस मैच में दिल्ली ने मुंबई को पहली पारी में बढ़त के आधार पर हराया था।

नामीबिया के ईटन ने जड़ा सबसे तेज टी-20 शतक

मात्र 33 गेंद खेलकर तोड़ा कुशल माला का रिकॉर्ड

कीर्तिपुर (एजेंसी)। नामीबिया के यान निकोल लॉफ्टी-ईटन ने मंगलवार को त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में नेपाल के खिलाफ 33 गेंद में टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ा। लॉफ्टी-ईटन ने इस शतक के साथ नेपाल के कुशल माला का रिकॉर्ड एक गेंद से तोड़ दिया। कुल मिलाकर लॉफ्टी ईटन ने 36 गेंद में 101 रन बनाए जिसमें 11 चौके और आठ छक्के शामिल थे। उन्होंने 92 रन चौके और छक्के जड़ कर बनाये जोकि टी-20 में किसी बल्लेबाज के सबसे अधिक रन हैं।

उल्लेखनीय है कि नेपाल के मल्ला ने वर्ष 2023 एशियन गेम्स में मंगोलिया के खिलाफ यह कारनामा किया था इस मैच में नेपाल ने तीन विकेट पर 314 रन बनाए थे। इसी मैच में दीपेंद्र सिंह ऐरी ने नौ गेंद में अर्धशतक लगाया था जो टी-20 का सबसे तेज अर्धशतक है। संयोग से लॉफ्टी ने यह रिकॉर्ड तब तोड़ा जब ऐरी गेंदबाजी कर रहे थे और मल्ला मैदान पर मौजूद थे। लॉफ्टी ईटन उस समय बल्लेबाजी करने आये जब नामीबिया का स्कोर 11 ओवर में तीन विकेट पर 62 रन था। उन्होंने पहली छह गेंदों में दो छक्के और एक चौका लगाया और 18 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने मलान क्रुगर के साथ चौथे विकेट के लिए 52 गेंद में 135 रन जोड़े और नामीबिया ने चार विकेट पर 206 रन बनाए।

टी-20 में टॉप-5 शतकधारी खिलाड़ी

- 33 गेंद : जान निकोल लोफ्टी ईटन नेपाल बनाम नामीबिया
- 34 गेंद : कुशल माला नेपाल बनाम मंगोलिया
- 35 गेंद : डेविड वॉर्नर ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश
- 35 गेंद : रोहित शर्मा भारत बनाम श्रीलंका
- 35 गेंद : एस विक्रमशेखर चैक रिपब्लिक बनाम तुर्की

शमी की हुई घुटने की सर्जरी

प्रधानमंत्री ने जल्द स्वस्थ होने की कामना की

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का लंदन में पैर का ऑपरेशन हुआ है। इस कारण वह 22 मार्च से 26 मई तक होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल 2024 में नहीं खेल पायेंगे। शमी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने पैर के ऑपरेशन के बाद की फोटो जारी की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मोहम्मद शमी के शीघ्र स्वस्थ होने और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की है। एक्स हैंडल पर मोहम्मद शमी के पोस्ट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, आपके शीघ्र स्वस्थ होने और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं, मोहम्मद शमी। मुझे विश्वास है कि आप उस साहस के साथ इस चोट पर काबू पा लेंगे जो आपके व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट के साथ मोहम्मद शमी की अस्पताल की तस्वीरों को साझा किया है। उल्लेखनीय है कि एकदिवसीय विश्वकप के बाद से शमी कोई क्रिकेट नहीं खेले हैं।

टेस्ट खिलाड़ियों पर बीसीसीआई मेहरबान

आईपीएल के बाद बढ़ाई जा सकती है सैलरी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बीसीसीआई टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों को तोहफा देने पर विचार रहा है। खबर है कि टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बोर्ड बड़ा फैसला ले सकता है।

दरअसल, भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन को हाल ही में आईपीएल 2024 की तैयारियां करते देखा गया था। टीम मैनेजमेंट ने उन्हें रणजी खेलने की सलाह दी थी, जिसको उन्होंने नजरअंदाज कर दिया था। खिलाड़ियों के इस रवैये पर बीसीसीआई ने भी नाराजगी जाहिर की थी। वहीं, चौथा टेस्ट जीतने के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने भी उन खिलाड़ियों को मौका देने की बात कही जिनमें टेस्ट क्रिकेट खेलने की भूख है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए बीसीसीआई ने सैलरी स्ट्रक्चर को फिर से तैयार करने का मन बनाया है।

ब्रीफ न्यूज

सैय्यद शकील मोहम्मद वनडे क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

भोपाल। स्थानीय बाबे अली क्रिकेट स्टेडियम पर तीसरी सैय्यद शकील मोहम्मद वन डे क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ बीडीसीए के अध्यक्ष ध्रुव नारायण सिंह, सीएमएस ग्रुप के डा. मेनिस मैथ्यूज, ऑक्सफोर्ड स्कूल के संचालक पाशा परवेज, बीडीसीए के उपाध्यक्ष जुनैद किदवई, सुशील सिंह ठाकुर, एसीएस धाकड़, डीएसओ रुबिका दीवान, उमर अलीम, शाहिद हसीब, सेंट माइकल की ऑनर व सेंट माइकल क्रिकेट अकादमी की सचिव हिबा शकील मोहम्मद, सैय्यद अवान शकील, सैय्यद अयान शकील द्वारा किया गया। इस मौके पर ध्रुव नारायण सिंह ने कहा कि सैय्यद शकील मोहम्मद एक खेल प्रिय शख्सियत थी तथा हमेशा खेलों के लिए समर्पित रहे। ऐसी शख्सियत बहुत ही कम होती है। उद्घाटन अवसर पर आईपीएस 11 एवं पत्रकार 11 के बीच मैत्री मैच खेला गया जिसमें आईपीएस 11 ने 53 रनों से विजय प्राप्त की। वहीं प्रतियोगिता का पहला मैच क्रिकेट एकेडमी ऑफ पठान तथा ओपी क्लब के बीच ओएफ सी ग्राउंड पर खेला गया जिसमें क्रिकेट एकेडमी ऑफ पठान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर के मैच में 22 ओवर में मात्र 113 रन बनाकर आउट हो गई। ऋषभ ने 28 रनों का योगदान दिया। ओपी क्लब की ओर से अक्षय ने तीन एवं योगेश ने दो विकेट लिए। जवाबी पारी खेलते हुए ओपी क्लब ने 15 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 114 रन बनाकर यह मैच छह विकेट से जीत लिया। इस मैच का मैन ऑफ द मैच योगेश को दिया गया।

एंडी मरे ने दुबई में जीत के बाद दिया संन्यास का संकेत

दुबई। तीन बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन एंडी मरे ने दुबई टेनिस चैंपियनशिप के पहले दौर में तीन सेट में डेनिस शापोवालोव को हराने के बाद संकेत दिया कि उनके करियर के अब कुछ अंतिम महीने बचे हैं। मरे ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करत हुए शापोवालोव को 4-6, 7-6, 6-3 से हराकर हार्ड कोर्ट पर 500वीं जीत दर्ज की। पहले दौर में जीत के बाद मरे ने कहा, बेशक मुझे अब भी प्रतिस्पर्धा पेश करना पसंद है और अब भी खेल से प्यार करता हूं। लेकिन उम्र बढ़ने के साथ युवा खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा करना और शरीर को फिट तथा तरोताजा रखना मुश्किल होता जाता है।

रैना और गेल में अभी भी रनों की भूख : हर्शल गिब्स

ग्रेटर नोएडा। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हर्शल गिब्स ने मंगलवार को कहा कि क्रिकेट लीजेंड सुरेश रैना और क्रिस गेल के अंदर अभी भी रनो के लिये भूख है। इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (आईवीपीएल) के पहले संस्करण में रेड कार्पेट दिल्ली के कप्तान गिब्स कैरिबियन क्रिस गेल और भारत के स्टार बल्लेबाज रहे सुरेश रैना के खिलाफ खेलने के लिए काफी उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, वे (गेल, रैना) मुझसे कुछ साल छोटे हैं।

आरएनटीयू की मोनिका चौधरी ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में जीता ब्रोंज

भोपाल। आसाम में आयोजित हो रहे चौथे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023-24 में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय आरएनटीयू की मोनिका चौधरी बीपीएड रायसेन ने जूडो की 48 किग्रा इवेंट में श्वेता, लवली पंजाब यूनिवर्सिटी को पराजित कर ब्रोंज मेडल जीतकर विश्वविद्यालय सहित प्रदेश का नाम रोशन किया है। टीम के कोच राहुल शिंदे और मैनेजर डॉ. विकास सक्सेना की अगुवाई में आरएनटीयू की मोनिका चौधरी ने शानदार प्रदर्शन किया। मोनिका ने इस जीत का श्रेय माता-पिता, खेल और युवा कल्याण विभाग और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के विशेष सहयोग को दिया। वहीं, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023-24 गुवाहाटी आसाम में मलिका मोर, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने 48-50 किग्रा में पूजा सीएसआर यूनिवर्सिटी को 5-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला 29 फरवरी को खेला जायेगा। खिलाड़ियों की इस सफलता पर आरएनटीयू के कुलाधिपति संतोष चौब, एसजीएसयू के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आरएनटीयू की प्रो.चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलपति प्रो. रजनीकांत, कुलसचिव डॉ. विजय सिंह और जिला खेल अधिकारी रायसेन जलज चतुर्वेदी ने शुभकामनाएं दीं।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में प्रदेश के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी

मंगलवार को 2 रजत व 2 कांस्य सहित जीते 4 पदक

भोपाल। चौथे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, नागालैंड एवं त्रिपुरा में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। खेले गए मुकाबलों में जूडो खेल में एक रजत और 2 कांस्य तथा एथेलेटिक्स में एक रजत सहित कुल चार पदक अपने नाम किए। बॉक्सिंग के मकाबले में खिलाड़ी मलिका मोर ने फायनल में प्रवेश कर पदक की दावेदारी मजबूत की है। वहीं जूडो खेल के मुकाबले में अकादमी की खिलाड़ी संध्या तिवरी ने -52किग्रा भार वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया है। वहीं मोनिका चौधरी ने -48 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया है। इसी प्रकार जूडो मुकाबले के -70 किग्रा भारवर्ग में आईईएस विश्वविद्यालय भोपाल की खिलाड़ी हरलीन कौर और लवली पंजाब यूनिवर्सिटी की ई. खेलांखब के मध्य खेला गया, जिसमें हरलीन कौर का लबली पंजाब यूनिवर्सिटी की ई. खेलांखब से परास्त होकर रजत पदक से संतुष्ट होना पड़ा। एथेलेटिक्स के पुरुष वर्ग में लांग जम्प इवेंट के मुकाबले आयोजिजत किए गए। इन मुकाबलों में अकादमी के खिलाड़ी कृष्णा शर्मा ने अपनी शारीरिक दक्षता का अच्छा प्रदर्शन कर 7.47 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में कृष्णा चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास के खिलाड़ी विष्णु एम. न 7.63 मीटर की लंबी छलांग लगाते हुए प्रथम स्थान और पंजाब युनिवर्सिटी के खिलाड़ी जगरुप सिंह ने 7.30 मीटर लंबी छलांग लगाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों की इन उपलब्धियों पर मंत्री खेल विश्वास सारंग और खेल संचालक डा. रविकुमार गुप्ता ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बधाई दी है।

न्यूजीलैंड के गेंदबाज वैगनर ने लिया संन्यास

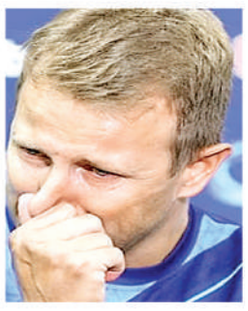

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड के गेंदबाज नील वैगनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरु होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में नहीं चुने पर मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने अपने 12 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर पर अचानक विराम लगाकर क्रिकेट प्रेमियों को हैरान कर दिया है। न्यूजीलैंड के चयनकर्ताओं वैगनर को बताया कि गुरुवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए उन्हें टीम में नहीं चुना जाएगा। इसके बाद नील वैगनर ने निराश होकर नम आंखों से संन्यास लेने की घोषणा की। इस फैसले के समय वह भावुक नजर आये।

विदर्भ व मध्य प्रदेश के बीच होगी सेमीफानइल भिड़ंत

नागपुर। आदित्य सरवटे और हर्ष दुबे की घातक गेंदबाजी की बदौलत विदर्भ मंगलवार को रणजी ट्रॉफी 2024 के क्वार्टरफाइनल में कर्नाटक को 127 रन से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गया है। विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन ग्राउंड पर 371 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कर्नाटक की टीम को आदित्य सरवटे और हर्ष दुबे बेहतरीन गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए 243 रन पर समेट दिया। इस जीत के साथ विदर्भ का सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश से भिड़ेगा। कर्नाटक ने पांचवें दिन एक विकेट पर 103 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। सरवटे ने मयंक अग्रवाल 70 रन को दुबे के हाथों कैच आउट कराकर कर्नाटक को दूसरा झटका दिया। इसके बाद सरवटे ने निकिन जोस को शून्य पर पवेलियन भेज दिया। मनीष पांडे एक रन पर पगबाधा आउट हुए। अनीश 40 रन और हार्दिक राज 13 रन बनाकर आउट हुये।

डब्ल्यूपीएल — गुजरात जायंट्स को आठ विकेट से हराया

मंधाना की तूफानी पारी से आरसीबी की लगातार दूसरी जीत

बेंगलुरु (एजेंसी)। सोफी मोलिन्यू और रेणुका सिंह ने शानदार गेंदबाजी के बाद स्मृति मंधाना 27 गेंदों में आठ चौके और एक छक्के की 43 रनों तूफानी पारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मंगलवार को विमेंस प्रीमियर लीग के पांचवें मुकाबले में गुजरात जायंट्स को विकेट आठ से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। आरसीबी की टीम इस जीत के साथ अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है। 108 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना ने सोफी डिवाइन के साथ पहले विकेट के लिये 32 रन जोड़े। सोफी छह रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद नौवें ओवर में स्मृति मंधाना भी अपनी टीम को जीत की ओर अग्रसर कर 43 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। उन्हें तनुजा कंवर ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। इसके बाद एस मेघना नाबाद 36 रन और एलिस पेरी नाबाद 23 की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 12.3 ओवर में दो विकेट पर 110 रन बनाकर आठ विकेट से मुकाबला जीत लिया। गुजरात जायंट्स की ओर से एश्ली गार्डनर और तनुजा कंवर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दयालन हेमलता नाबाद 31 रनों की पारी की मदद से गुजरात जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत के लिये 108 रनों का लक्ष्य दिया था। यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु महिला ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

गुजरात की खराब शुरुआत

बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात जायंट्स महिला टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने कप्तान बेथ मूनी आठ रन का विकेट तीसरे ही ओवर में गंवा दिया। इसके बाद सातवें ओवर में रेणुका ने ऋचा के हाथों फीबी लिचफील्ड पांच रन को स्टंप आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। हरलीन देओल 22 रन, वेदा कृष्णमूर्ति नौ रन, एश्ली गार्डनर सात रन, कैथरीन ब्राइस तीन रन, स्नेह राणा 12 रन बनाकर आउट हुई। दयालन हेमलता ने टीम के लिए सर्वाधिक नाबाद 31 रन बनाये। तनुजा कंवरभी चार रन बनाकर नाबाद रही। गुजरात जायंट्स की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 107 रन ही बना सकी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु महिला टीम की ओर से सोफी मोलिन्यू तीन विकेट लिये। रेणुका सिंह ने मात्र 14 रन देकर दो विकेट लिए। उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। जॉर्जिया वेयरहम ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

लोक साहित्य

डा दयाशंकर शुक्ल

पूर्वी हिंदी और छत्तीसगढ़ी

छत्तीसगढ़ी पूर्वी हिंदी की एक बोली है। इसके क्रियापदों का बैसवाड़ी से कारकों का भोजपुरी से बहु वचनों की ओडिशा से, कर्म तथा संप्रदान कारक के परिसर्गों का मराठी से, अधिकरण के परिसर्ग का गुजराती से तथा संख्या वाचक सर्वनाम क्रिया विशेषण, संबंध सूचक अव्यव, परिसर्ग तथा निश्चय बोधक अव्ययों का बंगला,ओडिशा, मराठी और गुजराती से साम्य है। कुछ शुद्ध संस्कृत शब्दों का भी प्रयोग देखने में आता है। छत्तीसगढ़ी में तदभव शब्दों का बाहुल्य है। इसका प्रधान कारण यह है कि छत्तीसगढ़ी वस्तुतः दैनिक जीवन की भाषा है और इसमें बंगला, ओडिशा, मराठी आदि की भांति साहित्य सर्जन नहीं हो रहा है। छत्तीसगढ़ी में अनेक शब्दों का आरंभ मूर्धन्य तथा लालव्य वर्णों से होता है। अनेक अनुस्वार, ध्वनि युक्त शब्द भी छत्तीसगढ़ी में हैं। यह वस्तुतः द्रविड़ तथा अनार्य भाषाओं की एक विशेषता है। अनेक अर्ध तत्सम शब्द भी छत्तीसगढ़ी में विद्यमान हैं। यह किंचित ध्वनि परिवर्तन करके संस्कृत से उधार लिए हुए शब्द हैं। यह ध्वनि परिवर्तन भी या तो छत्तीसगढ़ी की ध्वनि के अनुसार हुआ है अथवा अन्य भाषाओं और बोलियों के सम्मिश्रण के कारण हुआ है।

पुस्तक समीक्षा

छत्तीसगढ़ी लोकरंग, लोक मानस हाना शब्दकोश

कृति के नाव
छत्तीसगढ़ी लोकरंग लोक मानस हाना शब्दकोश

कृतिकार
ध्रुव सिंह ठाकुर कोटमिहा

प्रकाशक
अंकुर प्रिंटर्स, बिलासपुर

पुस्तक समीक्षा
समीक्षक चम्पेश्वर गोस्वामी

मूल्य
दो सौ पचास रुपए

छत्तीसगढ़ी के बिलासपुर अंचल के रहैया कृतिकार हा हमर जन जीवन मा जेन उपयोगी होथे वोला रखे के प्रयास करे हे। येकरे संग हमर सियान मन जेन संस्कृति ला जीयत रिहिन वोला घलो बने ढंग ले रखे हावय अइसन अऊ हमर जन जीवन ला प्रभावित करने वाला काम कारज ला घलोव रखे हाव। कतको जानकारी ला आज के लइका मन नी जानय उनकर बर ए किताब हा बड़ उपयोगी होहि। आजकल ऐसे किताब के विषय वस्तु के अभाव ला पूरा करे के बने उदिम आय। आशा करत हन हमर अंचल के जानकारी चाहने वाला मन बर ए किताब बने मार्गदर्शन करही।

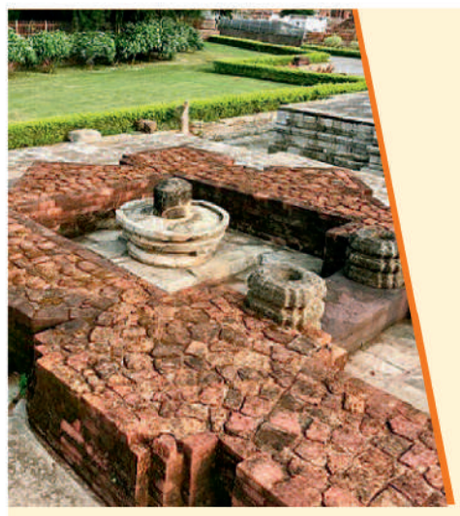

रतनपुर के शासक शैव धर्मावलंबी थे, उस समय के अनेक प्राचीन मंदिर और उनके अवशेष इनकी पुष्टि करते हैं। शैव मतावलंबी कल्चुरी शासकों की मान्यता थी कि बंकेश्वर महादेव की कृपा से उन्हें राज्य प्राप्त हुआ है।

छत्तीसगढ़ में शैव धर्म

ऐतिहासिकः डा अरविंद शर्मा

छत्तीसगढ़ पांडुवंशीय वैष्णव मतावलंबी थे। महाकोसल में आने के पूर्व वे बौद्ध धर्म की तांत्रिक परंपरा से अत्यधिक प्रभावित थे, साथ ही शैव धर्म का भी उन पर प्रभाव था, यद्यपि बौद्ध धर्म को स्वीकार करने के बाद इन्हीं राजाओं ने बौद्ध धर्म और शैव धर्म की तांत्रिक परंपराओं में समन्वय कार्य किया। यद्यपि संघर्ष की स्थिति बराबर बनी रही। सिरपुर में बौद्ध धर्म पर शैव धर्म का जबरदस्त आक्रमण बौद्ध संस्कृति के पतन का कारण बना, किंतु शैव संस्कृति के उत्कृष्ट प्रमाण और स्थापत्य की उच्चता बौद्ध संस्कृति की ऊंचाई को छूने का प्रयास करने के उपरांत भी अंततः पराजित ही रही। पांडुवंशीय और शरभपुर वंशीय शासकों के भागवत धर्मावलंबी होने का प्रमाण उनके समय के सिक्कों में प्राप्त होता है। शंख, चक्र, गरुड़ आदि धर्म प्रतीक इनमें अंकित हैं। रतनपुर के शासक शैव धर्मावलंबी थे, उस समय के अनेक प्राचीन मंदिर और उनके अवशेष इनकी पुष्टि करते हैं। शैव मतावलंबी कल्चुरी शासकों की मान्यता थी कि बंकेश्वर महादेव की कृपा से उन्हें राज्य प्राप्त हुआ है। नागपुर के भोंसला शासक परंपरा से चले आ रहे शैव धर्म से अप्रभावित न रह सके। उनके द्वारा निर्मित अनेक मंदिर या तो राम मंदिर हैं अथवा शिव मंदिर।

प्राकृतिक व सांस्कृतिक स्थल

राम झरना

पर्यटनः लक्ष्मी नारायण लहरे साहिल

छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक स्थलों में रामझरना का इतिहास महत्वपूर्ण है । जिला मुख्यालय रायगढ़ से महज 18 किलो मीटर की दूरी पर रामझरना स्थित है । भगवान श्री राम ने अपने 14 वर्ष के वनवास काल के दिनों में कुछ दिन रामझरना में गुजारे थे । पहाड़ों के बीच यह सुरम्य स्थल पर्यटकों के लिए बहुत ही आकर्षक है। बताया जाता है कि यहां प्रभु राम सीता और लक्ष्मण पहुंचे हुए थे। जब सीता माता को प्यास लगी तब प्रभु राम ने अपने तीर चलाकर जमीन से पानी निकाला और सीता जी ने प्यास बुझाई । तब से इस जगह से पानी बह रही है । वहीं इस पानी को पीने से कई बीमारी दूर हो जाता है ऐसा लोगों का विश्वास है । पर्यटन की दृष्टि से राम झरना के कुछ दूरी पर सिंघनपुर गुफा है यहां पहुंचने के लिए सुगम रास्ता की जरूरत है।

रहस का उदगम और विकास

लोक नाट्यः डा संतराम देशमुख

छत्तीसगढ़ में रास मंडली रहस को रास यज्ञ से संबोधित करते हैं। रहस में कृष्ण लीला से संबंधित सूर, मीरा, विद्यापति, जयदेव आदि के हिंदी में रचित पदों को संगीत में साध कर गाया जाता है। सारे रहस में विरह गीत, वन प्रस्थ विहार के संदर्भ में ही होता है। अन्य समय पर विरह गीत नहीं पाया जाता है। रतनपुर के प्रसिद्ध कवि गोपाल मिश्र और बाबू रेवाराम कृष्ण चरित्र लिखे। गोपाल मिश्र के संस्कृत में लिखे कृष्ण चरित्र को रेवा राम ने जन भाषा में अनुवाद किया। बाबू रेवाराम लिखित कृष्ण लीला अंचल में गुटिका के नाम से विख्यात है। गुटिका केवल भजन का संग्रह है। इसी में से रसधारी महत्वपूर्ण पदों को चुनकर अपने मति अनुसार लोकानुकूल पद प्रत्यय जोड़ कर रहस दिखाते हैं। यही रहस लोक नाट्य का अनुक्रम है। यह जन को जीवन यापन के लिए प्रेरित करता है और इतना ही नहीं बल्कि जीवन संघर्ष के लिए लोक उदघोष भी है।

नव लेखकों के प्रेरणा स्त्रोत थे प्रदीप वर्मा

छत्तीसगढ़ी भाषा के रचनाकार प्रदीप वर्मा जिला बलौदा बाजार अर्जुनी के मूल निवासी थे। सरफोंगा जिला रायपुर उनका जन्म स्थान रहा। आप पढ़ाई खत्म कर इस्पात संयंत्र भिलाई में काम करने लगे। उनकी साहित्य पढ़ने में विशेष रूचि थी, इसीलिए वे अपनी सोच को लेखनी के माध्यम से लिपिबद्ध करने लगे।

दुर्ग जिला में आप वीणापाणि साहित्य समिति के अध्यक्ष पद पर अंतिम सांस तक बने रहे। भिलाई नगरी में कोई भी साहित्य गोष्ठी हो आप जरूर दिखाई देते थे। दौना पान सांस्कृतिक लोक मंच कार्यक्रम में भी आपकी भागीदारी रहती थी। आपकी छत्तीसगढ़ी दुवारी काव्य संग्रह साहित्यकारों के बीच विशेष चर्चित रही। पं. रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर के एच्छिक विषय एम.ए. छत्तीसगढ़ी का संदर्भ ग्रंथ के रूप में इसे चयन किया गया। विनम्रता के साथ वे लेखनी के माध्यम से साहित्य सृजन करने में सदैव व्यस्त रहते थे। उनकी 'प्रेमदीप' किताब तथा सुरता छत्तीसगढ़ी संस्मरणात्मक लेखों को बहुत प्रशंसा मिली। 2014 में भांवर किताब छत्तीसगढ़ी में प्रकाशित हुई। नव लेखकों को मार्गदर्शन कर उन्हें प्रोत्साहित करते रहते थे। वर्मा जी अपनी लेखनी से जो चाहते थे उसे पात्रों के माध्यम से रोचक ढंग से व्यक्त किया करते थे। मान सम्मान से दूर अपने कार्य के प्रति निष्ठा भाव से अपनी लेखनी को निरंतर सक्रिय रहकर गतिशील रखते थे। इसी माह 18 फरवरी को रात्रि सड़क दुर्घटना में आप काल कवलित हो गए।

सुरताः डा नलिनी श्रीवास्तव

पौराणिक

प्यारेलाल गुप्त

पुराणों में खारुन नदी का महत्व

दक्षिण कोसल में प्रवाहित होने वाली खारुन नदी को स्कंद पुराण में वर्णित (क्रमुक) नदी का अपना अलग महत्व है। त्रेता युग में यह नदी क्रमु कहलाई। श्रीराम का वन गमन मार्ग यही था। छत्तीसगढ़ रामायण से भी यह प्रमाणित हो जाती है कि दंडकारण्य जाते समय श्रीराम, लक्ष्मण और सीता जी के चरण इसी रास्ते पर पड़े थे। पैर छुआ ही पेटेचुआ अपभ्रंश बन गया। यही पेटेचुआ स्थल पर ही राम आगमन के प्रतीक स्वरूप ओनाकोना में मंदिर के समीप राम की प्रतिमूर्ति स्थापित की गई है। राजा ब्रह्मदेव राय ने सबसे पहले नदी का नामकरण क्षेत्रीय भाषा में खारुन रखा। पेटेचुआ के आसपास के निवासी बताते हैं कि नदी के उदगम स्थल पर पहले खर खर की आवाज आती थी, इसलिए भी नदी का नाम खारुन हो गया।

रामपुर घाट पर गंगा नदी पर पक्का पुल के निर्माण के लिए वित्तीय स्वीकृति मिलने के पश्चात केंद्रीय मंत्री ने किया स्थलीय निरीक्षण

मीरजापुर। मीरजापुर के विकास व जनपदवासियों के जीवनस्तर को बेहतर बनाने के लिए केन्द्रीय राज्यममंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल के विशेष प्रयास से गंगा नदी पर दो पुलों का निर्माण होने जा रहा है। विंध्याचल के पास गंगा नदी पर 6 लेन के पुल के अलावा रामपुर घाट पर भी गंगा नदी पर पक्का पुल का निर्माण होगा। लगभग 339.51 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाली इस परियोजना को वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। मा0 केंद्रीय मंत्री रामपुर घाट पहुँच कर प्रस्तावित इस परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया एवं अधिकारियों को अवश्यक दिशा निर्देश दिया। पिछले सप्ताह 10 फरवरी को केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने पत्र लिख कर इस परियोजना की वित्तीय स्वीकृति हेतु मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से अनुरोध किया था। तत्पश्चात इस परियोजना को पिछले सप्ताह वित्तीय स्वीकृति मिली है। उन्होने पत्र के जरिये माननीय मुख्यमंत्री जी को सूचित किया था कि जनपद मीरजापुर के विकास खंड छानबे, हलिया, लालगंज, पटेहरा एवं राजगढ़ से जनपद भदोही तक वाया गैपुरा व रामपुर गंगाघाट तक के पक्के मार्ग से रामपुर घाट पर बने पीपा पुल का उपयोग कर दोनों जनपदों से भारी संख्या में जनमानस का गंगापार प्रयागराज व अन्य पूर्वांचल के जनपदों से आवागमन होता है, परंतु पक्के पुल के अभाव में वर्षा ऋतु में उक्त अत्यंत जनोपयोगी और सबसे निकटतम मार्ग का यथोचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। उक्त पुल के निर्माण से जनपद सोनभद्र और मध्य प्रदेश के रीवा जनपद से आने वाला तथा लखनऊ, कानपुर दिल्ली जाने वाला यातायात गंगा नदी पार करने हेतु इसी प्रस्तावित पुल का उपयोग करेगा। व्यापक जनहित में जनपद मीरजापुर के रामपुर घाट पर पक्का पुल निर्माण हेतु आज कैबिनेट ने कार्यदायी संस्था उ. प्र. सेतु निर्माण निगम द्वारा प्रेषित प्राक्कलन पर वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति आज प्रदान कर दी है।

इसी के क्रम में केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने 19 फरवरी को उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण विभाग के मंत्री श्री जितिन प्रसाद को पत्र लिख कर पक्का पुल के निर्माण हेतु वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करवाने का अनुरोध किया था। रामपुर घाट का स्थलीय निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि रामपुर घाट पर पक्का पुल के निर्माण से जनपद के विकास को गति मिलेगी, आवागमन तेज होगा। जनपद में व्यापार एवं उद्योग को मजबूती मिलेगी। इस क्षेत्र के लोगों का जीवनस्तर और बेहतर होगा। इस अवसर पर अपना दल (एस) के जिला अध्यक्ष इंजीनियर राम लौटन बिंद, जिला महामंत्री हरिशंकर सिंह पटेल, भाजपा वरिष्ठ नेता राजेंद्र पाठक, प्रदेश सचिव रामवृक्ष बिंद, प्रदेश सचिव पंचायत मंच गोवर्धन पटेल, प्रदेश कार्य समिति सदस्य इंद्रेश सिंह, जिला अध्यक्ष आईटी मंच हेमंत कुमार बिंद, जिला उपाध्यक्ष राधेश्याम पटेल, जिला उपाध्यक्ष संजय उपाध्याय, जोन अध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह, सेक्टर अध्यक्ष संदीप पटेल सेक्टर अध्यक्ष अजय पटेल, सेक्टर अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह, सेक्टर अध्यक्ष पंकज कुमार, भाजपा नेता अनिल सिंह, भाजपा नेता अमर बहादुर सिंह, संतोष वर्मा, प्रशांत शुक्ला, राहुल ओझा, डॉ संतोष बिंद आदि अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहें।

तेज रफ्तार बाइक से मासूम बच्ची हुई घायल पैर टूटा

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज।बृजमनगंज फरेंदा रोड स्थित फुलमनहा चौराहे पर अभी अभी एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने एक शादी में आई एक नौ वर्षीय बालिका को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया और बाइक को रोड पर छोड़ कर फरार हो गया। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।और अफरा तफरी मच गयी। लोगों द्वारा बाइक को सड़क के किनारे किया गया और आनन-फानन में लड़की को रिश्तेदारों के साथ इलाज के लिए सिद्धार्थ नगर अस्पताल भिजवाया गया।इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। खबर लिखे जाने तक पुलिस मौके पर नही पहुंच पाई थी। लोगों द्वारा बताए जाने पर पता चला कि लड़की टोला चौरी ग्राम सभा महुलानी तथा बाइक सवार बदलबाग ग्राम सभा लेहड़ा, ब्लाक बृजमनगंज का निवासी है।

ट्रेन से गिरकर युवक की हुई मौत

प्रखर महराजगंज। थाना क्षेत्र बृजमनगंज स्टेशन पर आज दोपहर बुधवार को ट्रेन से गिरकर एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। मिली जानकारी के अनुसार नकहा से लखनऊ के लिए चलने वाली गोमती एक्सप्रेस में सवार एक व्यक्ति बृजमनगंज रेलवे स्टेशन पर उतरने की कोशिश करते हुए ट्रेन से नीचे गिर गया जिससे उसकी मृत्यु हो गई बृजमनगंज स्टेशन मास्टर द्वारा इसकी सूचना जीआरपी पुलिस को दी गई मृतक के जेब में मिले आधार कार्ड के अनुसार उसकी पहचान सभा सहजनवा के खरखोरा खरखोरी निवासी जनार्दन पुत्र दीनानाथ के रूप में की गई।समाचार लिखे जाने तक शव वही पड़ा रहा।

एचवीपी टीका बदलेगा बेटियों की जीवन रेखा : डॉ. शैली निगम

प्रखर जौनपुर। जेसीआई जौनपुर चेतना द्वारा एक स्कूल में स्थित सभागार में कैंसर जागरूकता का कार्यक्रम संस्था अध्यक्ष जेसी मीरा अग्रहरी द्वारा संपन्न कराया गया ,स्कूल की प्रधानाचार्य आशीष कुमार गुप्ता तथा प्रियंका गुप्ता ने अपने स्कूल के बच्चों को कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के तहत कक्षा 8 से लेकर 11 तक की छात्राओं को सम्मिलित किया गया। डॉ शैली निगम ने छात्राओं को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम के महत्व को बताते हुए कहा कि आज के परिवेश में बच्चों में आहार शारीरिक व्यायाम की कमी की वजह से अनेक बीमारियां होने का खतरा बढ़ रहा है ,जैसे खून की कमी ,कुपोषण एवं वजन बढ़ने की वजह से भविष्य में डायबिटीज, उच्च रक्तचाप इत्यादि, किशोरीयों को साफ

सफाई के महत्व को भी समझाया गया उन्हें बताया गया कि सर्वाइकल कैंसर ,जानलेवा बीमारी है प्रतिवर्ष भारत में करीब एक लाख ,बीस हजार महिलाएं कैंसर से पीड़ित होती हैं जिनमें से आधे से ज्यादा की मृत्यु हो जाती है ,एचपीवी वायरस इसका प्रमुख कारण होता है, इससे बचाव के लिए 9 से 14 वर्ष की लड़कियों के लिए प्रभावशाली टीकाकरण उपलब्ध है, यह टीका 45 वर्ष तक की महिलाओं के लिए भी लाभकारी है ,25 से 65 वर्ष तक की महिलाओं में स्क्रीनिंग टेस्ट पैप स्मीयर, एचपीवी टेस्ट, जैसी साधारण जांचो द्वारा कैंसर का प्रारंभिक अवस्था में पता करके उचित उपचार किया जा सकता है, सभी किशोरियों से अपील की गई कि वे टीकाकरण द्वारा कैंसर के विरुद्ध अपना कदम बढ़ाए। कार्यक्रम का संचालन सचिव वंशिका द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मीना गुप्ता,शहरीन सिद्दीकी तथा डायरेक्टर ज्ञानेश्वरी गुप्ता उपस्थित रहीं।

अंबेडकर प्रतिमा रखने को लेकर ग्रामीणों ने किया धरना प्रदर्शन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। तहसील क्षेत्र के कोईराजपुर गांव में 26 फरवरी सोमवार को आराजी नंबर 323 जो नवीन परती के नाम से दर्ज है । उक्त जमीन पर कुछ लोगों द्वारा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा रख दी। सूचना मिलने पर ग्राम प्रधान व ग्रामीणों ने बड़ागांव थाना अध्यक्ष को सूचना दी। थानाअध्यक्ष मंगलवार को मौके पर पहुंचकर उक्त प्रतिमा को हटाकर पंचायत भवन में रखवा दी। इसी बात से बौखलाए भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष लवकुश साहनी, लक्ष्मीकांत, भोनू रावण, डॉक्टर गोपाल के नेतृत्व में आज बुधवार को दोपहर 12 बजे तहसील परिसर में सैकड़ो की संख्या में महिलाएं पुरुष पहुंचकर धरना प्रदर्शन करने लगी। सूचना पर तत्काल थाना अध्यक्ष फूलपुर

पहुंचकर लोगों का समझने का प्रयास किया लेकिन लोग एसडीएम प्रतिभा मिश्रा से बात करने पर अड़े रहे। वही लगभग 2 बजे एसडीएम महोदय प्रतिभा मिश्रा ने आकर धरना प्रदर्शन कर रहे लोगों से वार्ता की और प्रार्थना पत्र लेते हुए आश्वासन दिया कि जांच करवा कर उचित कार्रवाई की जाएगी तब जाकर लोगों ने धरना प्रदर्शन समाप्त किया। इस धरना प्रदर्शन में सतीश कुमार, गुड़िया देवी, संगीता देवी, सोनी, आरती देवी, मीना, कलावती, रामाश्रय, सतीश कुमार, उमेश कुमार, सुरेश कुमार, जितेंद्र कुमार, शिव कुमार सहित दर्जनों की संख्या में महिलाएं पुरुष धरना प्रदर्शन में मौजूद रहे।

अपराजिता ने जिले का बढ़ाया सम्मान इंटरनेशनल योगा बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज कराई नाम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गाजीपुर के रहने वाली अपराजिता सिंह ने योग में विश्व रिकॉर्ड बनाया है।अपराजिता ने जलपरी मुद्रा को रिकार्ड 1घंटा 27 मिनट 8 सेकेंड तक करके इंटरनेशनल योगा बुक आफ रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराया। इससे पहले यह वर्ल्ड रिकॉर्ड 1 घंटे 5 मिनट का था। अपराजिता सिंह ने बताया कि योग में उनकी बचपन से ही विशेष रुचि रही है। 12वीं तक की पढ़ाई गाजीपुर से करने के बाद उनका चयन नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन टेक्नोलॉजी में हो गया। वर्तमान में वह भुवनेश्वर में रहकर फैशन टेक्नोलॉजी की पढ़ाई कर रही हैं। उन्हें संस्था की ओर से अंतर्राष्ट्रीय योग बुक ऑफ रिकॉर्ड के बारे में बताया गया। आगे की जानकारी अपराजित ने इंटरनेट के माध्यम से ली तो उन्हें मालूम चला की जलपरी मुद्रा में योग करने का रिकॉर्ड एक घंटा 5 मिनट है। अपराजित ने इसे एक चुनौती के तौर पर स्वीकार किया और वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया।अपराजित ने बताया कि यह इवेंट 2023 के दिसंबर माह में हुआ था। लेकिन कुछ दिनों पहले गिनीज बुक ऑफ योगा रिकॉर्ड्स की ओर से उन्हें प्रमाण पत्र आदि भेजा गया।उन्होंने यह भी बताया कि सबसे कम समय में पीरियाडिक टेबल बनाना और सभी एलिमेंट्स का नाम

लिखकर उसको याद करके सुनाने की प्रतियोगिता में भी उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया है। इसका प्रमाण पत्र भी संबंधित संस्था की ओर से उन्हें जल्दी मिल जाएगा। इससे पहले स्कूली दिनों में महज 12 साल की उम्र में अपराजिता ने 37 सेकंड में पीरियाडिक टेबल के सभी एलिमेंट्स के नाम बताने का रिकॉर्ड कायम किया है। अपराजित ने बताया कि एक छात्रा के तौर पर नए-नए चुनौतियों को स्वीकारना उन्हें रोमांचित करता है। बचपन से ही ड्राइंग और आर्ट क्राफ्ट में शौक होने के कारण उन्होंने फैशन टेक्नोलॉजी की पढ़ाई चुनी। घर वालों का पूरा सहयोग मिला। अपराजित ने बताया कि वह जीवन में बेहतर कर अपने छोटे भाई के लिए एक नजीर बनना चाहती हैं। अपराजिता के विश्व रिकॉर्ड काम करने पर उनके पिता सुजीत कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें अपनी बेटी अपराजिता पर गर्व है। वह सदैव से इस बात को मानते रहे हैं कि बच्चों को उनके रुचि के विषय को पढ़ने देना चाहिए। मां-बाप को महज अपनी भूमिका उन्हें बेहतर मार्गदर्शन देने तक सीमित रखना चाहिए। करियर का चुनाव बच्चों को स्वयं करने देना चाहिए। ऐसा करने से बच्चों की मौलिक क्षमता उभर कर बेहतर तरीके से सामने आती है।

मनवास विजय सिंह महाविद्यालय में एमएलसी विनीत सिंह ने छात्रों को दिया स्मार्टफोन, स्मार्टफोन पाकर खुश हुए छात्र और छात्राएं

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। शिवपुर थानातर्गत क्षेत्र के सरसवाँ स्थित मनवास विजय सिंह महाविद्यालय में 28 फरवरी बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना अंतर्गत युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने हेतु बीए के छात्र- छात्राओं को निःशुल्क स्मार्टफोन का वितरण किया गया जिसमे सर्वप्रथम मुख्य अतिथि श्याम नारायण सिंह (विनीत सिंह) एमएलसी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की` उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाओं को बताते हुए उन्होंने मोबाइल प्राप्त करने वाले छात्र - छात्राओं को इस डिवाइस का सार्थक उपयोग कर तकनीकी शिक्षा से जुड़ने की सलाह दी और एमएलएसी विनीत सिंह ने वर्तमान युग मे तकनीकी के महत्त्व को स्वीकारते हुए सरकार को स्मार्टफोन वितरण योजना की सराहना करते हुए विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि आने वाले समय में विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से दक्ष होने की

आवश्यकता है` शैक्षणिक वर्ष 2021- 2022-2023 के अंतर्गत योजनाओं से लाभाविन्न छात्र -छात्राओं की संख्या को बताते हुए कहा की अभी मनवास विजय सिंह महाविद्यालय में कुल चार सौ साठ विद्यार्थियों को स्मार्टफोन वितरण किया गया है` महाविद्यालय के प्रबंधक प्रवीन सिंह (टिंकू) ने कार्यक्रम में आये हुए अभ्यर्थियों (अभ्यागतो) का स्वागत और अभिनदंन करते हुए यह भी बताया सरकार की मंशा है की हमारे उत्तर प्रदेश का प्रत्येक विद्यार्थी तकनीकी रूप से सक्षम रहे और उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन पाकर छात्र- छात्राओं के चेहरे खिल उठे तकनीकी का दुरुपयोग घातक सिद्ध हो सकता है साथ ही साथ प्रबंधक महोदय ने छात्रों को स्मार्टफोन के सही इस्तेमाल करने की दी नसीहत ` कार्यक्रम में विजय यादव, दीपक, राहुल, प्रवीन पाण्डेय, संदीप ,नरेन्द्र ,सुधांशु सिंह आदि लोगों ने विशेष सहयोग किया प्राचार्य ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री ने लाल मिट्टी के कारीगरों हेतु पांच दिवसीय स्टडी-सह-एक्सपोजर दौरे का किया शुभारंभ, 8 उद्यमियों को खुर्जा के लिए किया रवाना

मीरजापुर। केन्द्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार व नेशनल डिजाइन सेंटर के सौजन्य से चुनार पाटर सेंटर के प्रांगण में लाल मिट्टी के कारीगरों हेतु पांच दिवसीय स्टडी-सह-एक्सपोजर दौरे का शुभारंभ किया। मा0 केंद्रीय मंत्री ने इस एक्सपोजर दौरे के अंतर्गत चुनार के पाटरी उद्योग से जुड़े आठ उद्यमियों को खुर्जा के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। केन्द्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मंत्र सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास को चरितार्थ करते हुए उत्तर प्रदेश में युवाओं, महिलाओं, किसानों और वंचितों को सशक्त बनाने पर ध्यान देने के साथ उत्तर प्रदेश अब सामाजिक और आर्थिक विकास के सभी पहलुओं में नई ऊंचाइयां हासिल कर रहा है। राज्य में तेजी से औद्योगिक विकास हो रहा है। बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के विस्तार से आम नागरिकों का जीवन आसान हो गया है, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी अधिक सुविधाजनक हो गई है। ईज आफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में उत्तर प्रदेश की रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब भारत के विकास पथ में सबसे आगे है और अन्य राज्यों के लिए एक माडल स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि आप सभी जानते हैं कि चुनार की लाल मिट्टी की ग्लेज पाटरी का इतिहास भारतीय संस्कृति और विरासत का अहम हिस्सा हैं। यह अपनी सुंदरता, टिकाऊपन और उपयोगी होने के कारण बहुत लोकप्रिय हैं। इनका उपयोग खाना पकाने, भंडारण और सजावट सहित विभिन्न चीजों के लिए किया जाता है। मिट्टी के बर्तनों पर जटिल डिजाइन अक्सर प्रकृति से प्रेरित होते हैं, फूलों से बने डिजाइन उपभोक्ताओं को बहुत आकर्षित करते हैं। यह पॉटरी समुदाय की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। इस उद्योग की संभावनाओं को देखते हुए चुनार के लाल मिट्टी के उत्पादो को जीआई टैग के तहत संरक्षित भी किया गया है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मुझे बेहद खुशी है कि ह्यचुनार में लाल मिट्टी के कारीगरों और शिल्पकारों के कौशल विकास एवं सशक्तिकरण के लिए विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) और राष्ट्रीय डिजाइन केंद्र, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार की पहल के तहत बुलंदशहर जिले के खुर्जा शहर में 26 फरवरी से 1 मार्च 2024 तक पाँच दिवसीय अध्ययन- सह- एक्सपोजर दौरे का शुभारंभ किया जा रहा है। इसके प्रथम चरण में चुनार के लाल मिट्टी के पाटरी समूह में से 8 कारीगरों को नामित किया जा रहा है। अध्ययन-सह-एक्सपोजर दौरे का मूल उद्देश्य खुर्जा पॉटरी समूह द्वारा उपयोग में लाई जा रही तकनीकों, डिजाइनों, पैटर्न, प्रसंस्करण, परिष्करण आदि के सबंध में जागरूकता पैदा करना है। इसके अंतर्गत, मिजार्पुर के शिल्पकारों को खुर्जा में मिट्टी के बर्तन की बारीकियों पर चर्चा करने के साथ इसकी पेचीदगियों की तकनीकों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलेगा। खुर्जा मिट्टी के बर्तनों और चीनी मिट्टी के उत्पादों के लिए एक बहुत बड़ा केंद्र है, जिसमें काफी अधिक संभावनाएं हैं। आज खुर्जा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में खुर्जा मिट्टी के विभिन्न उत्पादों की आपूर्ति कर रहा है। अध्ययन -सह-एक्सपोजर दौरे से कारीगरों को मौजूदा बाजार के रुझान, गुणवत्ता पहलुओं और नवीनतम प्रौद्योगिकी को समझने में मदद मिलेगी। कारीगर खुर्जा में भारत सरकार द्वारा स्थापित केंद्रीय ग्लास और सिरेमिक अनुसंधान संस्थान का दौरा करेंगे और विस्तृत चर्चा के लिए वैज्ञानिकों से मिलेंगे।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में बीमारियों से बचने के दिए टिप्स

पिंडरा। अभ्युदय सेवा समिति के तत्वावधान में बुधवार को फूलपुर में फ्री हेल्थ चेकअप व फ्री हेल्थ अवेयरनेस कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें डा० के के पाण्डेय, आशुतोष सिंह (योगा टीचर), अरविन्द दुबे (वैद्य) अजय दुबे, डॉ आशुतोष ने सैकड़ो ग्रामीणों का निःशुल्क इलाज आयुर्वेद पद्धति द्वारा किया और उन्हें फ्री हेल्थ टिप्स की जानकारी भी दी गई। शिविर का शुभारंभ फूलपुर थानाध्यक्ष संजय मिश्रा ने किया। इस दौरान समिति के सदस्य दिलीप दुबे, अमिताभ दुबे, विशाल गुप्ता, जे पी पटेल, राजकुमार राजू, दुर्गेश उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि किस प्रकार से लोगो के दैनिक दिनचर्या में होने वाले विभिन्न प्रकार के क्रियाकलापों को किया जाए। डॉक्टर ने बताया कि बदलते मौसम में ग्रामीण अपना खासा ध्यान रखें। मौसम बदलने के साथ ही बीमारियों का प्रकोप भी शुरू हो जाता है। सबसे पहले बच्चे,बूढ़े इनकी चपेट में आते हैं। इसलिए इस मौसम में सर्दी-खांसी, जुकाम जैसे तरह-तरह के वायरल और दूसरी बीमारियों से बचने के लिए खासा ख्याल रखें।

संक्षिप्त खबरें

खेल मेला में बच्चों की दिखी प्रतिभा, जीते पुरस्कार

पिंडरा। पिंडरा विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय जमापुर के प्रांगण में बुधवार को खेल मेला का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के मानसिक स्तर को बढ़ाने से सम्बंधित विविध प्रकार के खेल आयोजित किये। एचडीएफसी बैंक व अम्बुजा फाउंडेशन के तत्वाधान में हुए खेल प्रतियोगिता में बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रतिभा का परिचय देते प्रतिभाग किया। जिसमे हूला- हुल, हूला-हुप,हैंडबॉल, खो -खो, बैडमिंटन, हैंडबाल क्रिकेट समेत अनेक खेल हुए। स्थान प्राप्त छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ कार्यक्रम समन्वयक अजय सिंह ने फीता काटकर किया। खेल संचालन ऋतु पांडेय व धन्यवाद ममता देवी ने दिया। इस दौरान ई0 प्रधानाध्यापक विनोद कश्यप, संजय गुप्ता, अरविंद वर्मा, डॉ राजीव गौतम, सरिता देवी व तेजबहादुर व लालबहादुर समेत अनेक अभिभावक भी रहे।

करखियाव में जुटी बेरोजगारों की भीड़, 210 का हुआ इंटरव्यू

पिंडरा। क्षेत्र के करखियाव स्थित श्री नारायण पूर्व माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को बृहद रोजगार मेला का आयोजन किया गया। जिसमें डेढ़ दर्जन से अधिक नामी गिरामी कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और जिसमे 450 लोगों ने पंजीकरण कराया। इंटरव्यू के जरिये प्रथम चरण के तहत 210 युवकों का चयन किया। बुधवार को सुबह 10 से आयोजित रोजगार मेला में वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली और भदोही के युवक व युवतियां रोजगार मेला में पहुँचे और पंजीकरण कराया। इस दौरान उत्कर्ष फाइनेंस, फ्यूजन माइक्रो फाइनेंस, मैक्स पैशन, पहल माइक्रो फाइनेंस, नवभारत फर्टिलाइजर, श्री गजानन अर्बन फाइनेंस, लिल्हा एजुकेशन, कुकराज हेल्थकेयर समेत डेढ़ दर्जन से अधिक कम्पनियों के एच आर व रीजनल मैनेजर ने इंटरव्यू के जरिये 210 लोगों को प्रथम चरण के तहत चयन किया। इस दौरान रोजगार मेले का संचालन धनंजय सिंह ने किया। इस दौरान राजेन्द्र प्रसाद मौर्य, कमला चौहान, अवधेश राय, अशोक सिंह, प्रवीण दुबे, गुड्डू राजभर समेत अनेक लोग रहे।

रेलवे स्टेशन पर दो पहिया वाहनों का पार्किंग हुआ निःशुल्क

प्रखर शाहगंज जौनपुर। शाहगंज जंक्शन पर यात्रियों को छोड़ने वाले परिजनों को अब अपने वाहनों के पार्किंग हेतू कोई शुल्क देय नही होगा। हालांकि अब थोड़ा रिस्क भी बढ़ गया है क्योंकि चोर उचक्कों से अगर सावधानी हटी तो चोर उचक्के आपके दो पहिया वाहन पर हाथ फेर सकते हैं जिसकी कोई जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की नही होगी। बताते चले पूर्व में दिल्ली मुंबई आदि शहरों की यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के परिजन रेलवे स्टेशन पर जब दो पहिया वाहन से आते थे तो वाहन को पार्किंग में खड़ा करने के लिए दस रुपया लगता था।जिससे एक फायदा होता था की वाहन स्वामी निश्चिंत होकर अपने दूर दराज जाने वाले परिजनों को रेलवे की अपनी रिजर्व शीट पर बैठाकर अलविदा करते थे।अब वहीं जब पार्किंग निशुल्क हो गयी है तो मन मे वाहन की सुरक्षा को लेकर शंका बना रहता है। फिर भी पार्किंग निशुल्क होने लोगों में काफी हर्ष देखा जा रहा है।और पार्किंग स्थल पर दो पहिया वाहनों की लंबी लम्बी लाइने लग रही हैं।

रमन प्रभाव अणुओं द्वारा प्रकाश अप्रत्यास्थ प्रकीर्णन है : लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी

प्रखर कसया, कुशीनगर। बुद्ध इण्टर कालेज कुशीनगर के भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला में बुधवार को "विज्ञान दिवस" समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक सर सीवी रमन के चित्र पर माल्यार्पण व श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य उमेश उपाध्याय ने कहा कि 28 फरवरी 1928 को सी वी रमन ने प्रकाश के प्रकीर्णन की खोज की। इस खोज के सम्मान के लिए पूरे भारत में इस दिन को " विज्ञान दिवस "के रूप में मनाया जाता है। मुख्य वक्ता प्रवक्ता भौतिकी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने कहा कि रमन प्रभाव अणुओं द्वारा प्रकाश अप्रत्यास्थ प्रकीर्णन है। इस खोज के लिए 1930 में सी वी रमन को नोबेल पुरस्कार दिया गया। प्रत्येक वर्ष इस अवसर पर भारत सरकार की विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग इसके लिए अलग अलग विषय निर्धारित करता है। इस वर्ष विज्ञान दिवस का विषय "विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक " है। भूगोल प्रवक्ता सुरेश प्रसाद गुप्त ने विज्ञान में आधुनिक तकनीकी के विकास पर प्रकाश डाला।संचालन एन सी सी कैप्टन वेद प्रकाश मिश्र ने किया। प्रवक्ता सूर्य प्रकाश, चन्दन मौर्य, कृष्ण कुमार त्रिपाठी, अमरजीत मिश्र, चित्रांश श्रीवास्तव, शिवानंद यादव उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं